राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

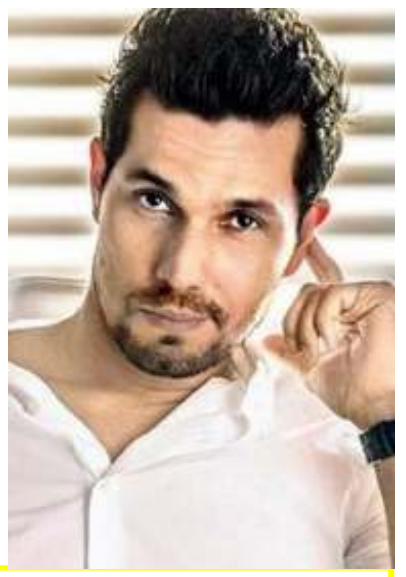

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 20 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 330 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रणदीप हुड्डा की क्राइम ड्रामा ...8

हमारे देश में संगमों का बड़ा महत्व

पीएम मोदी बोलेः काशी और तमिलनाडु दोनों शिवमय और शक्तिमय हैं

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्काशी तमिल संगममश कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे देश में संगमों का बड़ा महत्व रहा है। नदियों और धाराओं के संगम से लेकर विचारों–विचारध ााराओं, ज्ञान–विज्ञान और समाजों–संस्कृतियों के संगम का हमने जश्न मनाया है। इसलिए काशी तमिल संगमम् अपने आप में विशेष है, अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि एक ओर पूरे भारत को अपने आप में समेटे हमारी सांस्कृतिक राजधानी काशी है, तो दूसरी और, भारत की प्राचीनता और गौरव का केंद्र, हमारा तमिलनाडु और तमिल संस्कृति है। ये संगम भी गंगा यमुना के संगम जितना ही पवित्र है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों ही संस्कृति और सभ्यता के कालजयी केंद्र हैं। दोनों क्षेत्र सबसे पुरानी भाषाओं, संस्कृत और तमिल के केंद्र हैं।

मोदी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों शिवमय हैं, दोनों शक्तिमय हैं। एक स्वयं में काशी है, तो तमिलनाडु में दक्षिण काशी है। काशी–कांची के रूप में दोनों की सप्तपुरियों में अपनी महत्ता है। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों संगीत, साहित्य और कला के स्रोत हैं। काशी का तबला और तमिलनाडु का थन्नुमाई प्रसिद्ध है। मोदी ने आगे कहा कि काशी में, आपको बनारसी साड़ी मिलेगी और तमिलनाडु में आप कांजीवरम रेशम देखेंगे जो दुनिया भर में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि तमिल विवाह संस्कृति में काशी यात्रा का उल्लेख मिलता है। यानी तमिल युवाओं के जीवन में काशी यात्रा का महत्व है। यह काशी के लिए तमिल लोगों के अटूट प्रेम को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि काशी के चारों ओर घूमते हुए, आप हरिश्चंद्र घाट पर एक तमिल मंदिर देखेंगे। इसी तरह केदार घाट पर 200 साल पुराना मठ और एक आश्रम है। उन्होंने कहा कि हमें आजादी के बाद हजारों वर्षों की परंपरा और इस विरासत को मजबूत करना था, इस देश का एकता सूत्र बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इसके लिए बहुत प्रयास नहीं किए गए। ड्डीपज्उपसैंदहंउंउ इस संकल्प के लिए एक प्लेटफॉर्म बनेगा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए ऊर्जा देगा। पीएम ने कहा कि मेरा अनुभव है, रामानुजाचार्य और शंकराचार्य से लेकर राजाजी और सर्वेपल्लि राधाकृष्णन तक, दक्षिण के विद्वानों के भारतीय दर्शन को समझे बिना हम भारत को नहीं जान सकते। हमारे पास गर्व करने के लिए दुनिया की सबसे पुरानी भाषा तमिल है। यह लोकप्रिय और जीवंत है। लोग चकित रह जाते हैं जब उन्हें पता चलता है कि भारत दुनिया की सबसे पुरानी भाषा का घर है। प्रधीनमंत्री ने कहा कि हमें भाषाओं के बीच के अंतर को मिटाकर भावनात्मक एकता बनाए रखने की जरूरत है।

तिहाड़ जेल में मसाज करवा रहे सत्येंद्र जैन, वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन जो इस समय तिहाड़ जेल बंद हैं, उनका एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में जेल के अंदर सत्येंद्र मसाज कराते हुए दिख रहे है। जेल में मसाज कराते हुए वीडियो वायरल हो गया है, जिसके बाद बीजेपी ने भी इस मामले पर आप पार्टी को घेर लिया है। जेल से आए इस वीडियो में आप पार्टी के मंत्री के ऐशो आराम का खुलासा हुआ है। दरअसल ये वीडियो जेल के सेल का है जहां सत्येंद्र जैन बंद है। इस वीडियो में दिख रहा है कि सत्येंद्र जैन पैरों की और शरीर की मसाज करा रहे है। बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का कहना है कि सत्येंद्र जैन को हर तरह से वीआईपी ट्रीटमेंट जेल के अंदर मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार जेल में नियमों का उल्लंघन कर सत्येंद्र जैन की जेल की सजा को मौज बना रही है। इस मामले पर कन्नौज से भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने भी सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि जेल के अंदर जो ट्रीटमेंट मंत्री को मिल रहा है वो बताता है कि आप पार्टी कितना झूठ बोलती है। जेल में भी सत्येंद्र जैन को हर तरह की सुविधा और वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। जेल का जो वीडियो वायरल हुआ है उससे साफ है कि आप पार्टी सत्येंद्र जैन को पूरी मौज जेल में दे रही है। प्रवर्तन निदेशालय कर चुका है खुलासाः बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने भी आशंका जताई थी की सत्येंद्र जैन को जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। इस वीडियो के वायरल होने से प्रवर्तन निदेशालय के आरोपों को बल मिला है। ईडी ने कहा था कि सत्येंद्र जैन जेल में हाई प्रोफाइल स्पा और पार्लर की सुविधाओं का लाभ उठा रहे है। माना जा रहा है कि ये वीडियो 13 सितंबर का है। इस वीडियो में सत्येंद्र जैन को हेड मसाज, फुट मसाज और बैक मसाज कराते दिख रहे है।

अमित शाह ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

कहा:कुछ देशों और उनकी एजेंसियों ने आतंकवाद को अपनी राष्ट्र नीति बनाया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद को सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के लिए आतंक एक गंभीर खतरा है। शाह तीसरे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन श्नो मनी फॉर टेररश के समापन सत्र में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि, आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरे विश्व को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा।

अकेले नहीं कर सकते आतंकवाद का सामना: सम्मेलन के दौरान शाह ने कहा कि, कोई भी देश अकेले आतंकवाद को नहीं हरा सकता है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ना जारी रखना चाहिए। इस दौरान पाकिस्तान का नाम लिए बिना पड़ोसी देश पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कुछ देशों और उनकी एजेंसियों ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति बना लिया है। कुछ देश बार–बार आतंकवादियों और आतंकवाद को पनाह देने वालों का समर्थन करते रहे हैं। आतंकवाद की कोई अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं होती, इसलिए सभी देशों को राजनीति से परे सोचना चाहिए और एक–दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

खुफिया जानकारी साझा करने का किया आह्वान: अमित शाह ने आतंकवाद को हराने के लिए विश्व समुदाय के बीच खुफिया जानकारी साझा करने में पारदर्शिता रखने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, हमारी पहली प्रतिबद्धता पारदर्शिता के साथ सहयोग की होना चाहिए। सभी देशों, सभी संगठनों को बेहतर और प्रभावी तरीके से खुफिया जानकारी साझा करने में पूरी पारदर्शिता का संकल्प लेना चाहिए। युवाओं के बीच कट्टरता को बढ़ावा देने वाले एक संगठन के खिलाफ भारत द्वारा की गई कार्रवाई का हवाला देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हर देश को ऐसे संगठनों की पहचान करनी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

हर क्षेत्र में करना है आतंकवाद का सामना: उन्होंने कहा कि हमें आतंकवाद और आतंकवादी समूहों के खिलाफ यह युद्ध हर क्षेत्र में लड़ना है। शाह ने कहा कि, आतंकवाद से लड़ने का दृष्टिकोण पांच स्तंभों पर आधारित होना चाहिए। जिसमें व्यापक निगरानी ढांचा, सभी खुफिया और जांच एजेंसियों के बीच सहयोग, समन्वय और सहयोग शामिल है। साथ ही ट्रेस, टार्गेट और टर्मिनेट की रणनीति भी अपनाई जानी चाहिए।

दुनिया के सबसे बड़े ऑयल प्लेटफॉर्म कहे जाने वाले रूस के सखालिन आइलैंड पर गैस विस्फोट, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े ऑयल प्लेटफॉर्म कहे जाने वाले रूस के सखालिन आइलैंड पर एक गैस विस्फोट हुआ है। क्षेत्रीय गवर्नर ने कहा कि रूस के प्रशांत द्वीप सखालिन पर आंशिक रूप से ढहे पांच मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक के मलबे में नौ लोगों की मौत हो गई है और आपातकालीन सेवाएं अभी भी लापता एक की तलाश कर रही हैं। रूसी समाचार एजेंसियों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह धराशायी गैस विस्फोट के कारण हुआ है। रूस की न्यूज एजेंसी टॉस ने आपातकालीन सेवाओं के एक सूत्र के हवाले से बताया कि खाना पकाने के चूल्हे से जुड़ा 20 लीटर का गैस सिलेंडर फट गया था। रूस की जांच समिति ने कहा कि वह आपदा के कारणों की जांच कर रही है। एजेंसी के सूत्र के मुताबिक, ये सिलेंडर खाना पकाने वाले गैस चूल्हे से जुड़ा हुआ था और ये 20 लीटर का गैस सिलेंडर था। तो वहीं, रूस की जांच समिति ने कहा है कि वो इस घटना के कारणों की जांच कर रही है। धमाका इतना जोरदार था कि अपार्टमेंट के ब्लॉक को ही ध्वस्त कर दिया।

कश्मीर में जनजाति समुदाय के छात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आगे आया प्रशासन

श्रीनगर। कश्मीर में प्रशासन का प्रयास है कि सरकार की ओर

से जनजातीय समुदाय के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उसका उन्हें भरपूर लाभ मिले इसके लिए जागरूकता अभियान भी समय–समय पर चलाये जाते हैं। इसी कड़ी में श्रीनगर जिला प्रशासन तथा जनजातीय अनुसंधान संस्थान ने संयुक्त रूप से एक दिवसीय जागरूकता अभियान और कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें जनजाति समाज के छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी दी गयी।

श्रद्धा वॉकर हत्याकांडः सीसीटीवी में दिखा आफताब, दिल्ली पुलिस अब देहरादून से जोड़ेगी जांच के तार

नई दिल्ली। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड मामले में दिल्ली पुलिस अब देहरादून में भी जांच करेगी। लिव इन पार्टनर श्रद्धा की कथित तौर पर हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने वाले आफताब ने श्रद्धा के शरीर के कुछ हिस्सों को देहरादून में भी ठिकाने लगाया था। दिल्ली पुलिस से हुई पूछताछ में इसका खुलासा आरोपी ने किया है। अब जांच में दिल्ली पुलिस देहरादून भी जा सकती है। इस मामले पर देहरादून पुलिस ने दिल्ली पुलिस को हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस जांच के दौरान उन होटल मालिकों से भी संपर्क कर सकती है जहां आफताब श्रद्धा की हत्या करने के बाद रूका था। ये भी संभावना जताई गई है कि आफताब ने देहरादून में खून से सने कपड़ों को ठिकाने लगाया होगा।

आफताब ने जलाया था श्रद्धा का चेहराः पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि आफताब ने श्रद्धा की हत्या के बाद उसके शरीर के कई टुकड़े किए। इन टुकड़ों को कई दिनों तक फ्रिज में रखा और यहां तक की श्रद्धा के सिर को भी फ्रिज में रखा। अंत में उसने श्रद्धा के सिर को जलाया और फिर उसके सिर को ठिकाने लगाया। पुलिस को अबतक श्रद्धा का सिर नहीं मिला है। पुलिस के पास अहम सुराग के तौर पर अब भी वो हथियार नहीं है जिससे श्रद्धा के शरीर के टुकड़े किए गए है। श्रद्धा का सिर और हथियार दो अहम सबूत इस मामले में पुलिस को नहीं मिले है। सीसीटीवी में दिखा आफताबः जांच मे जुटी पुलिस के एक और अहम सुराग मिला है जिसमें वो सीसीटीवी फुटेज में बैग के साथ कैद हुआ है। इस सीसीटीवी फुटेज में आफताब के हाथ में एक बैग दिख रहा है। संभावना है कि इस बैग में ही आफताब श्रद्धा के शव को ठिकाने लगाने जाता था।

पुलिस ने लिया पिता–भाई का डीएनएः महरौली हत्याकांड की पीड़िता श्रद्धा वालकर के अब तक बरामद अवशेषों से डीएनए मिलान के लिए उसके पिता एवं भाई के रक्त के नमूने लिए गए हैं। पुलिस ने 18 नवंबर को यह जानकारी दी।

राजनीतिक दलों सहित समाज के सभी स्तंभ भयभीत, चिदंबरम बोलेः ये भारत में क्या हो रहा है?

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि राजनीतिक दलों सहित समाज के सभी स्तंभ आज भय की चपेट में हैं। एक निजी चौनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पी चिदंबरम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के विचार को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है। चिदंबरम ने कहा कि ष्देश में व्यापक भय है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के विचार को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने इस बारे में बात की कि भारत में जो कुछ हो रहा है, उससे कहीं अधि ाक चिंताजनक है कि भारत में क्या हो रहा है। चिदंबरम ने कहा कि लोग चिंतित हो गए हैं और भारत के साथ क्या हो रहा है, इस पर विचार करना शुरू कर दिया है, लेकिन देश में व्यापक भय है। व्यापक भय है क्योंकि समाज के स्तंभ भय से जकड़े हुए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया, ष्इतने सारे लोग एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जा रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे इस भीड़ का हिस्सा नहीं होगे तो उन्हें और उनके परिवार को परेशान किया जाएगा।

कोई भी मजहब बुरा नहीं होता, फारूक अब्दुल्ला बोले– हमने कभी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया

जम्मू। वरिष्ठ नेता एवं जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आज साफ तौर पर कहा कि कोई भी मजहब बुरा नहीं होता, इंसान भ्रष्ट होते हैं। दरअसल, फारूक अब्दुल्ला एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कोई भी मजहब बुरा नहीं होता। उसके इंसान भ्रष्ट होते हैं, कोई मजहब नहीं। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे चुनाव के दौरान शहिंदू खतरे में हैंश का खूब इस्तेमाल करेंगे। लेकिन मेरी आपसे गुजारिश है कि आप इसके झांसे में न आएं। आपको बता दें कि वरिष्ठ नेता एवं जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध यक्ष पद से अगले महीने हटने की घोषणा शुक्रवार को की थी। आज की सभा में फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि हमने कभी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने दावा किया कि जिन्ना मेरे पिता से मिलने आए थे, लेकिन हमने उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। हम इसके लिए खुश हैं, पाकिस्तान में लोग सशक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमें यहां 50,000 नौकरियों का वादा किया गया था, वे कहां हैं? उन्होंने दावा किया कि हमारे डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और हमारे बच्चे सभी बेरोजगार हैं। यह एक राज्यपाल द्वारा नहीं किया जा सकता है, आप उसे जवाबदेह नहीं ठहरा सकते। चुनाव महत्वपूर्ण हैं। उम्मीद की जा रही है कि 85 वर्षीय अब्दुल्ला पार्टी संरक्षक बने रहेंगे और जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद संघ शासित प्रदेश में होने वाले पहले विधानसभा चुनावों में पार्टी का मार्गदर्शन करेंगे।

जश्ने गौसुलवरा कान्फ्रेन्स का हुआ आयोजन

बहराइच । नगर के घोसी टोला में रजा कमेटी की ओर से जश्न–ए–गौसुलवरा कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई स जिसमे क्षेत्र के तमाम ओलमा व शायरों ने शिरकत की। जलसे की शुरूआत कुरआन–ए–पाक की तिलावत के साथ हुई। सचालन मौलाना फैजान रजा मंजरी ने की। ओलमाओ व शायरों ने जलसे का आगाज करते हुए नात ओ मनकबत का नजराना पेश किया। सबसे पहले नबीर–ए–मुफ्तिए नानपारा मुफ्ती खालिद रजा ने अपनी तकरीर में नौजवानों से मुखातिब होते हुए दुनियावी फितनों से दूर रहने की सलाहियत दी। इसके साथ ही महफिले अदब के बारे में खूबसूरत तकरीर पेश करते हुए गौसुल आजम शेख अब्दुल कादिर जीलानी की करामाते बयान की। मौलाना मुईनुद्दीन कादरी ने फरमाया कि तुम अल्लाह से डरो और सच्चो के साथ हो जाओ, और सच्चे अल्लाह के औलिया है। औलिया के दामन को पकड़ने से ईमान की हिफाजत होती है और औलिया का दामन छोड़ देने से ईमान चला जाता हैसदुनिया और आखिरत भी बर्बाद हो जाती है। मौलाना अजीज रजा ने खूबसूरत कलाम पेश करते हुए पढ़ा ''खुदा की बन्दगी यही, मुस्तफा से प्यार कीजिए, मरने वाले चौन ले जरा, कोई मुझसे आके कह गया, कब्र में हुजूर आयेंगे थोड़ा इन्तेजार कीजिए।'' हाफिज रेहान रजा बरकाती ने नात–ओ–मनकबत का नजराना पेश करते हुए पढ़ा ''गर हशर तक हयात ये मुझसे वफा करे, फिर भी हो कम जबां तेरी जितनी सना करे''। मौलाना शादाब रजा अत्तारी ने दुरूद ए पाक के मर्तबे के बारे में बताते हुए कहा कि जो बंदा एक हजार मर्तबा दुरूद पढ़ेगा वह बंदा उस वक्त तक नही मरेगा जब तक कि अपना ठिकाना, अपना मकान और अपना घर जन्नत में वह देख न ले। इसके बाद एक खूबसूरत नात ओ मनकबत ''इस करम का करू शुक्र कैसे अदा, जो करम मुझपे मेरे नबी कर दिया'' का नजराना पेश कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कारी नाफिशुल कादरी ने पढ़ा श्कुरान में हुजूर की रब यू शदा करें, वह शमशे वददोहा कहे बद्रो ददोजा करें। सलात–ओ–सलाम के बाद कौम व मुल्क में अमन ओ चौन की दुआ की गई। इस मौके पर रजा कमेटी से मोहम्मद गुलफाम, मो0 रोशन शाह, मो0 हस्सान, शाहबे आलम तथा नगर पालिका चेयरमैन अब्दुल मोहीद उर्फ राजू, पूर्व चेयरमैन अब्दुल वहीद, अब्दुल मुशीर सेठ, मुन्ना मारिया, वसीम अहमद, निजाम कादरी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

प्राइवेट नर्सिंग होम्स व पैथालॉजी से डेगू जांच का डाटा प्राप्त करने का डीएम ने दिया निर्देश

डीएम ने महर्षि बालार्क जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

बहराइच स। संचारी एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने मेडिकल कालेज के महार्षि बालार्क जिला चिकित्सालय बहराइच का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने इमरजेन्सी, जे.ई.ध्एईएस व डेंगू वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण कर मौजूद चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाफ से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि सभी मरीजों को शासन द्वारा निध ार्रित मानक के अनुसार चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जाए। डीएम ने मरीजों व तीमारदारों से भी चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में फीड बैक प्राप्त किया।

चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान डीएम डॉ. चन्द्र ने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस0के0 सिंह व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ओ.पी. चौधरी को निर्देश दिया कि प्राईवेट चिकित्सालयलोंध नर्सिंग होम्स तथा पैथालॉजी से डे–बाई–डे डेंगू जांच का डाटा का डाटा कलेक्ट किया जाए। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि जांच रिपोर्ट में लक्षणयुक्त पाए गए मरीजों के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षात्मक प्रोटोकॉल का पालन भी सुनिश्चित कराया जाए। डीएम ने निर्देश दिया कि चिकित्सालय आने वाले मरीजों को बाहर की दवा न लिखी जाए। अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित चिकित्सक के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम डॉ. चन्द्र ने जिम्मेदारान को यह भी निर्देश दिया कि चिकित्सालय में दवाओं, एक्सरे प्लेट व प्लेटलेस इत्यादि की उपलब्धता बनाएं रखें तथा सभी उपकरणों विशेषकर जीवन रक्षक उपकरणों को प्रत्येक दशा में क्रियाशील रखा जाए। निरीक्षण के दौरान कोई भी प्रतिकूल तथ्य प्रकाश में नहीं आया चिकित्सालय व वार्डों की साफ–सफाई संतोषजनक पायी गई। इस इवसर पर उप जिलाधिकारी सदर सुभाष सिंह धामी, डिप्टी कलेक्टर पूजा यादव, वरिष्ठ चिकित्सक एम.एम.एम. त्रिपाठी, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, चिकित्सालय के प्रबन्धक रिजवान अली सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने महायोजना 2031 के विरोध में डीएम को दिया ज्ञापन

पीएम मोदी, सीएम योगी तथा सांसद, एमएलसी, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों से भी लगाई गुहार

बहराइच स उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने बहराइच महायोजना 2031 के वर्तमान स्वरूप संदेहास्पद व त्रुटिपूर्ण बताया है और कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए इसे रद्द करने व इस पर नये सिरे से विस्तृत सुनवाई किए जाने की मांग संबंधी सैकड़ों व्यापारियों द्वारा हस्ताक्षरित जिलाधिकारी बहराइच को संबोधित एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट ज्योति राय को सौंपा है। उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष कुलभूषण अरोरा, महामंत्री दीपक सोनी ष्दाऊजीष्, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजमोहन मातनहेलिया तथा व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारी नेता अब्दुल सईद, अल्ताफ मेकरानी, घनश्याम सिंह, दीपक सरदार आदि की मौजूदगी में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह व नगर मजिस्ट्रेट ज्योति राय से मिलकर उन्हें व्यापारियों व शहर वासियों की महायोजना से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से डीएम को संबोधित ज्ञापन में लिखा गया है ष्बहराइच महायोजना 2031 (प्रारूप) के अधिकांश प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण व भ्रामक तथ्यों के आधार पर दिए गये हैं। व्यापार मंडल का मानना है कि योजना में दर्ज प्रस्ताव यदि जस के तस लागू हुए तो छोटे– बड़े सैकड़ों व्यापारी बेरोजगार हो जाएंगे और उनके परिवारों के हजारों सदस्यों के भूखे मरने की नौबत आ सकती है।ष व्यापारियों ने डीएम से विशेष तौर पर आग्रह किया है कि महायोजना के वर्तमान प्रारूप को निरस्त कर इस पर दोबारा नये सिरे से विस्तृत सुनवाई की जाए। ज्ञापन में लिखा गया है कि बीती 18 अक्टूबर 2022 को कलेक्ट्रेट सभागार, बहराइच में सम्पन्न बैठक में हुए निर्णयों के अनुसार उद्योग व्यापार मंडल, बहराइच व उससे जुड़े तमाम व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों व सैकड़ों लोगों ने प्रशासनिक व नोडल विभाग के अधिकारियों के साथ शहर के बाजारों का भौतिक स्थलीय निरीक्षण व सड़कों की दर्जनों स्थानों पर नाप की थी। उक्त वास्तविक भौतिक माप के फलस्वरूप जो तथ्य सामने आए उनके मुताबिक महायोजना की जारी हुई प्रारूप पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 19 के बिन्दु (1.11– बाजार स्ट्रीट मार्ग) पर दर्ज मार्गों की वर्तमान समय की (एक्जिस्टिंग) अंकित चौड़ाई तथा मौके की वास्तविक चौड़ाई में भारी अंतर था। जिससे यह प्रतीत होता है कि महायोजना की आधारशिला ही त्रुटिपूर्ण भ्रामक तथ्यों के आधार पर रखी गई है। जिस कथित जीआईएस सर्वे पर आधारित महायोजना का प्रारूप बनाने का दावा किया जा रहा है वह तो सटीक नाप देता है। ऐसे में शहर के बाजारों की त्रुटिपूर्ण नाप वाली रिपोर्ट बड़ी लापरवाही का संकेत दे रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि जीआईएस प्रणाली इस्तेमाल करने की बजाय बगैर भौतिक सत्यापन किए प्रारूप तैयार कर लिया गया है। ज्ञापन के साथ महायोजना 2031–प्रारूप– विवरण पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 19 में वर्णित तालिका संख्या 1.11 बाजार स्ट्रीट मार्ग के तहत कुछ मार्गों की वास्तविक माप की तालिका संलग्न करते हुए डीएम को वास्तविक स्थितियों से अवगत कराया गया है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक व अन्य मुलाकातों में नोडल विभाग के अधिकारियों ने व्यापार मंडल व प्रशासनिक अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की थी। ज्ञापन में कहा गया है कि शहरीकरण के नाम पर मौजूदा छोटे छोटे व्यापारियों को बेरोजगार बनाने और उन्हें बर्बाद करने की बजाय पहले यहां बाईपास व पार्किंगों की जरूरत पूरी की जाए। शहर के बाहरी हिस्सों में नयी विकास की योजनाएं लाकर शहर का कायाकल्प करने की जरूरत है। शहर के घने बाजारों की सड़कों को चौड़ा करने के अव्यवहारिक व त्रुटिपूर्ण प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि महायोजना के प्रस्तावों को पूरी तरह से निरस्त कर महायोजना (प्रारूप) तैयारकर्ता फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए तथा भ्रामक तथ्य प्रस्तुत कर त्रुटिपूर्ण प्रारूप बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ शिक्षाप्रद कार्रवाई की जाए। यह भी कहा गया कि भविष्य में जो योजनाएं बनें उससे पहले विस्थापित होने वाले मकान–मालिक व किराएदार दुकानदारों के पुनर्वास व उनके मुआवजे का समुचित बंदोबस्त किया जाए। योजना बनाते समय उद्योग व्यापार मंडल, शहर के संभ्रान्तजन व जिम्मेदार नागरिकों की सलाह अवश्य ली जाए जिससे यह महायोजना आमजन के विनाश का कारक ना बनकर विकास का प्रतीक बन सके। व्यापारी नेताओं ने बताया कि जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह ने हर हाल में न्याय होने का आश्वासन व्यापारियों के दल को दिया है। ज्ञापन की एक एक प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सांसद अक्षयवर लाल, एमएलसी डाक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी, सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती मंजू सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका श्रीमती रुबीना रेहान तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्यामकरन टेकड़ीवाल सहित अन्य राजनीतिक दलों को भेजी जा रही है।

कृषि भवन पर 21 को भाकियू करेगी किसान पंचायत

अयोध्या । उपनिदेशक कृषि द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान ना करने के उद्देश्य एक सियासत के तहत लगातार किसान दिवस स्थगित किया जा रहा है जिला प्रशासन के निर्देश के बावजूद भी माह नवंबर की किसान दिवस की तिथि घोषित नहीं की जा रही है। उप निदेशक कृषि द्वारा किसानों को बीज की सब्सिडी नहीं दी जा रही है तथा तमाम योजनाओं में बड़े पैमाने पर घोटाला किया जा रहा है जिसको छुपाने के लिए लगातार किसान दिवस स्थगित किया जा रहा है 16 नवम्बर को तीसरे बुधवार के दिन धरना प्रदर्शन करने के बाद 17 नवम्बर को तिथि घोषित करने का आश्वासन दिया गया था परंतु अभी तक नवंबर माह के किसान दिवस की स्थिति की घोषणा नहीं की गई। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि नवंबर माह के किसान दिवस की तिथि घोषित ना करने तथा तमाम योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आगामी 21 नवम्बर को उपनिदेशक कृषि के कार्यालय के समक्ष कृषि भवन के प्रांगण में मासिक पंचायत का आयोजन किया गया है।

17 माह से मृतक अंत्योदय कार्डधारक का राशन खा रहे कोटेदार

रुदौली–अयोध्या ।लाख प्रयास करने के बाबजूद गरीबों को समय पर पात्रों को राशन देने की योगी सरकार की मंशा पर भ्रष्ट तंत्र के आगे पानी फिर रहा है, एक ही घर में प्रधानी और कोटेदारी के चलते राशन कार्ड धारक धक्केखाने को मजबूर हैं, ताजा मामला मृतका अंत्योदय कार्ड धारक प्रेमपता प्रजापति पत्नी स्व. मथुरा प्रसाद का हैं जिनकी 17 माह पूर्व 13 मई 2021 को मृत्यु हो गयी है मृतका प्रेमपता के नाम से जारी सिंगल यूनिट अंत्योदय राशन कार्ड 217720793103 पर प्राक्सी द्वारा प्रतिमाह धोखाधड़ी कर कोटेदार द्वारा राशन खुद डकार लिया गया है। मृतका के पुत्र कृष्ण कुमार ने अधिकारियो को शपथ पत्र देकर कार्यवाही करने और उक्त कार्ड को अपने नाम करने की मांग की है, मृतका के पौत्र रंजीत कुमार ने बताया कि राशन मांगने पर प्रधान ध्कोटेदार ने कहा कि इतने दिन राशन पा रहे थे कुछ दिन नहीं मिलेगा तो क्या होगा, दूसरी राशन दुकान पर जानकारी करने पर पता चला कि 17 महीनों कि तरह नवम्बर माह का भी राशन कोटेदार ने प्राक्सी द्वारा खुद निकाल लिया है इसलिये बिवश होकर अधिकारियो से ऑनलाइन शिकायत कर इंसाफ मांगी है।

सदन में गूंजेगा पशुपालन महाविद्यालय के कर्मियों के वेतन का मुद्दा

मिल्कीपुर–अयोध्या । किसी ने सही कहा है... डूबते को तिनके का सहारा मिल जाए तो उसके अंदर फिर से जी उठने की उम्मीद जग जाती है । कुछ ऐसा ही हाल आजकल आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या स्थित पशुपालन महाविद्यालय के कर्मियोंध् शिक्षकों का हो चला है। पिछले पांच माह से आर्थिक तंगी से जूझ रहे ये लोग हर उस चौखट पर अपनी फरियाद ले कर गए जहां से उन्हें वेतन मिल पाने की उम्मीद थी। लेकिन, इस संकट से उबारने में ऊपर से नीचे तक सभी जिम्मेदार अफसरों ने अपने हाथ खड़े कर दिए। लेकिन कहा जाता है न उम्मीद कभी खत्म नहीं होती। लिहाजा अपनी फरियाद लेकर पशुपालन महाविद्यालय के कर्मचारियों ने मिल्कीपुर विधान सभा के विधायक एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद के दरवाजे पहुंचकर कर्मियों ने विधायक को प्रार्थना पत्र देते हुए अवगत कराया कि पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में कार्यरत लगभग 165 कर्मचारियों का विगत जुलाई माह 2022 से अब तक वेतन प्रशासन द्वारा नहीं दिया गया है। कर्मचारियों का वेतन प्रतिमाह न मिलने से कर्मचारियों को अपने परिवार का भरण पोषण करने में आर्थिक समस्या हो रहीं है। पशुपालन महाविद्यालय के पशु परिचर के आईएल एफसी विभाग में कार्यरत राम मनोरथ काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उधर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वेतन भी नहीं दिया जा रहा था जिसके चलते कर्मचारी की दवा नहीं हो सकी और बीते 9 नवंबर को इलाज के अभाव में मौत हो गई।पशुपालन महाविद्यालय के कर्मचारियों ने क्षेत्रीय विधायक एवं सपा के राष्ट्रीय महासचिव से मिलकर पूरे प्रकरण से अवगत कराया। जिसके बाद अवधेश प्रसाद ने कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि इस प्रकरण को मैं सदन में उठाऊंगा और आप लोगों की समस्या का निराकरण कराते हुए वेतन दिलाने का प्रयास करूंगा।

पांच माह से नहीं मिला वेटनरी कॉलेज के कर्मचारियों को वेतन

-समाजसेवी राजन पाण्डेय ने राज्यपाल व मुख्यमंत्री को भेजा शिकायती पत्र

अयोध्या । आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय में पिछले पांच महीनों से वेटनरी कालेज के अधिकारियों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय प्रशासन वेतन नहीं दे रहा है जिससे वह आर्थिक संकट से जूझ रहे है।

मामले को लेकर समाजसेवी राजन पांडेय ने कुलाधिपति राज्यपाल और मुख्यमंत्री को एक शिकायती पत्र भेजा है। श्री पाण्डेय ने अपने पत्र में तमाम विसंगतियों को इंगित करते हुए कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने भेजे पत्र में कहा है कि यदि समस्या का निराकरण व दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आन्दोलन भी होगा। कुलाधिपति व मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में राजन पाण्डेय ने लिखा है कि जहां वेटनरी कालेज के कर्मियों को वेतन नहीं मिल रहा है वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन तमाम रिटायर कर्मचारियों को 25 से 50 हजार के मानदेय पर रख कर विश्वविद्यालय और शासन पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है निर्माण निदेशालय में भ्रष्टाचार का यह आलम है कि अगर जांच करवा दी जाए एक भी कर्मचारी और अधिकारी नहीं बचेगा। आरोप है कि निर्माण निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगा नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि करोड़ों रुपए का कार्य केवल कोटेशन के आधार पर कराया गया है।

समाजसेवी ने बताया कि वेटनरी कालेज के एक कर्मचारी की मौत दवा के अभाव में हो गई इसकी भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने भेजे पत्र में लिखा है विश्वविद्यालय की हर स्तर से जांच करा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो एक बड़ा आन्दोलन किया जायेगा।

सैनिकों की जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास, मूकदर्शक बना प्रशासन

मिल्कीपुर–अयोध्या । मिल्कीपुर तहसील के मोहम्मदपुर गांव में जग नारायण दुबे, प्रेम नारायण दुबे, कमल नारायण दुबे व वीरेंद्र कुमार दुबे सभी सैनिकध्पूर्व सैनिक हैं। पिता श्रीनिवास के देहांत के बाद उनके नाम की जमीन जायदाद उनके चारों बेटों के नाम पर वरासतन स्थानांतरित हुई है। साक्ष्यों के अनुसार चकबंदी के दौरान चक संख्या 1550 में 0.923 हेक्टेयर रकबे का चक श्रीनिवास दुबे के नाम पर उप संचालक चकबंदी के स्तर से प्रभावित होकर बना था। जिसमें चकबंदी अधिकारी व बंदोवस्त अधिकारी के आदेश भी समाहित हैं। वहीं राम बक्स के परिवार के कई लोग अरब देशों में नौकरी करते हैं, जबकि श्रीनिवास दुबे के चारों लड़के सैनिक होने के नाते सपरिवार बाहर ही रहते हैं। अपने पैतृक जमीन की बुआई करके चले जाते थे, मौके का फायदा उठा कर राम बक्स के परिवार के लोग फसल को नुकसान पहुंचाते थे। तदनुसार राजस्व एवम् पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जा कर निशा देही करके कब्जा परिवर्तन कराया। तभी से श्रीनिवास के लड़के अपनी पूरी जमीन 0.923 हेक्टेयर पर काबिज हैं। बीच–बीच में राम बक्स के परिवार के लोग कुछ व्यवधान उत्पन्न करते हैं। इसकी शिकायत खंडासा थाने पर आयोजित थाना दिवस पर की गई थी। जिस पर पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम ने 15 नवंबर को जाकर कड़ी फटकार लगाई थी। बताया गया कि चुनावी रंजिश के कारण सैनिक परिवार को परेशान करने की नियति से मामले को अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है। जबकि पिछले सप्ताह मिल्कीपुर पुलिस क्षेत्राधिकारी ने मौके पर जाकर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे राम बक्स को फटकार लगाई थी।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा सबका दिल, वार्षिकोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। डीएवी इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने समाज सुधार से सम्बंधित नाटक, एकल नृत्य, समूह नृत्य, कवि सम्मेलन आदि प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक गोविंद राम व विशिष्ट अतिथि श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा, विधायक गैसड़ी डा. एसपी यादव, डा. चंदन पाण्डेय, भगवती आदर्श विद्यालय प्रबंधक विश्व गौरव पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विद्यालय छात्रा दिव्या ने खैरियत पूछो कभी गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं दिव्यांशी, शबा, खुशबू, शमा आदि छात्राओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। देशभक्ति गीत पर काजल, विभा, अमित तिवारी, अमन ने समूह नृत्य कर सबका मन मोहा। इसी क्रम में कवि सम्मेलन में आनंद तिवारी, शरद मोहन पाण्डेय, शैलेष व सुधांशु आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय के छात्रों ने भ्रष्ट अधिकारी, शराबी व समाज में बेटे बेटियों में फर्क से सम्बंधित नाटक प्रस्तुत कर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि डीआईओएस ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीर्ण विकास के लिए पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों का होना बेहद आवश्यक है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। विशिष्ट अतिथि डा. एसपी यादव ने कहा कि विद्यालय में ऐसे कार्यक्रम निरंतर होते रहने चाहिए जिससे बच्चों की प्रतिभा निखरती है। विद्यालय प्रबंधक संजय तिवारी ने कहा कि डीएवी इंटर कॉलेज लगातार उत्कृष्ट शिक्षा देने का प्रयास कर रहा है। विद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छुपी प्रतिभा को निखारना व आत्म विश्वास को बढ़ाना है। भविष्य में भी विद्यालय ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर हरि प्रकाश वर्मा व प्रबंधक संजय तिवारी ने श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष परशुराम वर्मा, ओंकार नाथ पटेल, संजय यादव, विजय मौर्य, मोनू सिंह, मोहम्मद करीम, विनय मोहन तिवारी, मंजू तिवारी, शिवलाल, डा. देवेश चंद्र श्रीवास्तव, आरके गुप्ता, अशोक पाण्डेय, डा. सतीश सिंह आदि को अंग वस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर साधना पाण्डेय, डीपी सिंह, धर्मदेव मिश्रा, शशि प्रकाश मिश्रा, केजी श्रीवास्तव, सोमा दत्ता, सुरेन्द्र यादव, वन्दना पाण्डेय, अर्चना श्रीवास्तव, अवधेश पाण्डेय, दीप श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

52 क्रय केन्द्रों को संचालित किये जाने की स्वीकृति

अयोध्या । जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2022–23 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत जनपद–अयोध्या में धान खरीद हेतु पूर्व में 48 धान केन्द्रों का अनुमोदन किया गया है। स्थानीय आवश्यकता के दृष्टिगत जनहित में 04 नवीन धान क्रय केन्द्रों को अनुमोदित करते हुए एतद्वारा जनपद में 05 क्रय एजेंसियों के कुल 52 क्रय केन्द्रों को संचालित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृतध्अनुमोदित धान क्रय केन्द्रों में खाद्य विभाग (विपणन शाखा) के 15, पी0सी0एफ0 के 21, पी0सी0यू0 के 10, यू0पी0एस0एस0 के 05 व भा0खा0नि0 के 01 सहित कुल 52 अनुमोदित धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है। उन्होंने निर्देश दिया कि सम्बन्धित क्रय एजेंसी के जिला प्रबन्धकध्जिला प्रभारी अपनी संस्था के स्वीकृत धान क्रय केन्द्रों पर समस्त आवश्यक व्यवस्था–प्रबन्धधजियो टैगिंग समय से पूर्ण कराते हुए क्रय केन्द्रों को क्रियाशील कर धान की खरीद कराना सुनिश्चित करें।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारत विश्व का कर रहा नेतृत्व:सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा पूरी दुनिया भारत के तरफ आशा विश्वास के साथ हर समस्या के समाधान मे भारत की भूमिका देख रही यह हम सब के लिए गर्व की बात है। उक्त विचार भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने विधान सभा डुमरियागंज के गहरौला, पेडरियाजीत, अंदुआ शनिचरा में जन चौपाल को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। जगदम्बिका पाल ने कहा की भर्ष्टाचार, अपराध मुक्त शासन प्रशासन की परिकल्पना को योगी आदित्यनाथ की सरकार ने साकार किया प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आज बेघरों को घर छत मुहैया कराने की योजना को बल प्रदान किया जिससे अधिकांश बेसहारा लोगों को आवास मिला है जिन पात्र अभ्यर्थियों अब तक आवास नही मिला उन्हें भी जल्द आवास मिलेगा। क्योंकि सभी को छत मुहैया हो हमारी सरकार का संकल्प है। जगदम्बिका पाल ने कहा की गाँवों, कस्बों मे पिंक शौचालय का निर्माण कराकर हमारी सरकार स्वच्छता मिशन को और गति देने का काम कर रही। आप सब ने अपने लाल जगदम्बिका पाल पर विश्वास जताया है तो आपको विश्वास दिलाता हुं की आपके हर सुख दुख मे आपका बेटा आपके दरवाजे पर हाजिर मिलेगा। यह जनपद बाढ़ग्रस्त था। मैने मुख्यमंत्री से मिलकर जिनके जो किसी प्रकार के नुक्सान हुआ है वह हमारी सरकार उसकि भरपाई कर आपको राहत प्रदान करेगी। टूटी सड़कों का निर्माण होगा आपके फसलों के हुए नुक्सान की भरपाई होगी। इस अवसर पर हमारे साथ राजेश द्विवेदी, मोनी पांडेय, संतोष गुप्ता, सोनू सिंह, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, श्याम सुंदर अग्रहरी, रमेश पाण्डेय, प्रभु, पप्पू सिंह, पिंटू मिश्रा, अनिल अग्रहरी, मुरारी सिंह, राजेश द्विवेदी, सहित देव तुल्य अन्य लोग मौजूद रहे।

प्राचीन भारतीय मुद्राएं विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उक्त विषयक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इतिहास के निर्माण में प्राचीन भारतीय सिक्कों का अपना महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सिक्के एक ओर जहां राजाओं के वंशवृक्ष, उनके महान कार्य, शासनकाल, तथा उनके राजनीतिक एवं धार्मिक विचार पर प्रकाश डालते हैं वहीं दूसरी ओर राजा की व्यक्तिगत अभिरुचि, संपन्नता, एवं राज्य की सीमाओं को भी निर्धारित करने में सहायक होते हैं। पुराने सिक्के चांदी, सोना, तांबा, शीशा इत्यादि धातु के बनते थे। प्राचीन काल में आज जैसी बैंकिंग प्रणाली नहीं थी इसलिए लोग अपना पैसा मिट्टी और शीशे के बर्तनों में बड़ी हिफाजत से जमा कर जमीन के अंदर रखते थे जो आज हमे खुदाई के दौरान मिल जाते है। ऐसे अनेक निधियां जिनमें ना केवल भारतीय सिक्के से बल्कि विदेशी सिक्के भी प्राप्त हुए हैं। सिक्कों का काम दान दक्षिणा, खरीद बिक्री, और वेतन मजदूरी के भुगतान में होता था इसलिए सिक्कों से आर्थिक इतिहास पर भी महत्वपूर्ण प्रकाश पड़ता है। सबसे अधिक सिक्के मौर्योत्तर कालों में मिले हैं जो मुख्य रूप से सोने, चांदी और तांबे के हैं। सातवाहन राज्य में शीशे के भी सिक्के जारी किए गए थे। गुप्त शासकों ने सर्वाधिक शुद्ध सोने के सिक्के जारी किए। इन सब से पता चलता है कि उस समय व्यापार वाणिज्य अपने चरम पे था। संग्रहालय द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी में सिक्कों के प्रारंभ से लेकर वर्तमान में उनके ढालने की प्रक्रिया को छाया चित्रों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया गया है। भारत के प्राचीनतम सिक्के जिन्हें आहत सिक्का के नाम से जाना जाता है,के बनाने तथा उन पर चिन्ह अंकित करने की विधि को छाया चित्रों के माध्यम से दिखाया गया है। तत्पश्चात जनपदों के सिक्के, भारतीय यवन सिक्के, एवं सातवाहनों के सिक्कों के छाया चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी में कुषाण एवं गुप्त राजाओं के सोने चांदी एवं तांबे के सिक्कों के अतिरिक्त मध्यकालीन सिक्कों के छायाचित्र भी आकर्षण के केंद्र हैं। प्रदर्शनी के भ्रमण से जन सामान्य को इन महत्वपूर्ण प्राचीन धरोहरों के विषय में अत्यंत सहज रूप में जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व माध्यमिक विद्यालय बहोरवा वर्ड न0 1 के प्रधानाध्यापक मोहम्मद एम0 डी0 आजाद ने किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मुद्राएं किसी भी देश की संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतिबिंब होती हैं इससे तत्कालीन इतिहास की अर्थव्यवस्था की जानकारी मिलती है जिससे हमारी आगामी पीढ़ियों को हमारी विरासत का ज्ञान होता है। संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के माध्यम से निश्चित रूप से जन सामान्य को लाभान्वित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। संग्रहालय के वीथिका सहायक रामानंद प्रजापति ने कहा कि संग्रहालय द्वारा विविध विषयों पर नियमित रूप से प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। उक्त प्रदर्शनी में 80 छात्र–छात्राओं तथा गुरुजनों की सहभागिता रही प्रदर्शनी के अवसर पर हिमाशू ओम प्रकाश पाण्डेय सुनील जितेंद्र पांडे प्रमोद चौधरी कैलाश शाहनी धीरेंद्र चौधरी सुनील चौधरी योगेंद्र शुक्ला वाहिद कमरुद्दीन ममता श्रीवास्तव मीना पाठक संगीता यादव साधना चौधरी पूनम यादव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अमरगढ़ महोत्सव को लेकर हिंदू युवा वाहिनी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज नगर पंचायत क्षेत्र के अमरगढ़

महोत्सव को लेकर हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने किया पत्रकार वार्ता। उनके साथ सदर विधायक श्याम धनी राही व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र मणि त्रिपाठी रहे मौजूद। अमरगढ़ महोत्सव 26 नवंबर से 28 नवंबर तक चलेगा वही 21 व 22 नवंबर को शहीद सम्मान यात्रा भी निकाली जाएगी। पूर्व विधायक ने महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए लोगों से की अपील।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय सिद्धार्थनगर में भारतीय जनता

पार्टी किसान मोर्चा की तरफ से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिला अध्यक्ष अजय शर्मा पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि आने वाले चुनाव में ग्रामसभा समितियों के माध्यम से किसान मोर्चा बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा हर घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करेगा करने का भी काम करेगा इसके अलावा दिनांक 21 से लेकर 30 11 तक हर नगर पंचायत के साथ सभा करने का काम करेगा शर्मा ने बताया कि नगर निकाय चुनाव में विधानसभा चुनाव की तरह एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी कीर्तिमान बनाने का काम करेगी इस बैठक में सम्मिलित किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय शर्मा महामंत्री विनय त्रिपाठी जिला महामंत्री अमितेश्वर शुक्ला जिला मीडिया प्रभारी सुधीर पांडे जिला मीडिया प्रभारी सौरभ शर्मा एवं आदि लोग उपस्थित रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई भारत की अस्मिता की है प्रतीक:प्रो हरीश कुमार शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में महारानी लक्ष्मी बाई जयंती के अवसर पर मातृशक्ति दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कला संकाय प्रो हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई भारत की

अस्मिता की प्रतीक है 18 57 के स्वतन्त्रता आ आंदोलन में जिस वीरता और साहस के साथ उन्होंने विदेशी सत्ता का विरोध किया और जीवन के अंतिम समय तक भारत की अस्मिता और उसके स्वाभिमान के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी वह प्रत्येक भारतीय के लिए अमर संदेश है। वर्तमान परिपेक्ष में जब पूरा पूरी दुनिया स्त्री विमर्श पर चर्चा कर रही हो ऐसे में महारानी लक्ष्मी बाई का जीवन चरित्र न केवल महिलाओं के लिए संपूर्ण विश्व के राष्ट्रीय स्वाभिमान को बढ़ने वाला है। इस अवसर पर सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों एवं महापुरुषों के जीवन चरित्र को उद्घाटित करने की आवश्यकता है। वर्तमान पीढ़ी को अपने गौरवमई इतिहास और यषस्वी परंपरा से परिचित कराने की आवश्यकता है। महारानी लक्ष्मी बाई का जीवन चरित्र प्रेरणादायी है। महारानी लक्ष्मीबाई ने भारत के स्वाभिमान के लिए जिस कौशल और साहस के साथ अंग्रेजों का सामना किया वह आज के युवाओं के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम में डॉक्टर सरिता सिंह डॉक्टर जसवंत यादव डॉक्टर मयंक कुशवाहा सहित विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे।

आयरन लेडी प्रथम महिला प्रधानमंत्री की मनाई गई जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आजाद भारत के प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 105 वी जयंती सुदामा प्रसाद के संचालन अनिल सिंह अन्नू की अध्यक्षता में माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने अपने विचार विस्तार पूर्वक रखें। अनुसूचित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुड्डू ने कहा इंदिरा गांधी के अंदर अदमय उत्साह और साहस था। जिसका उदाहरण होने प्रधान रहते हुए अपने कार्यकाल में कई बार दिखाया। जहां आज राजनीति में जात पात धर्म नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। वही श्रीमती इंदिरा गांधी ने गंगा जमुनी तहजीब को आगे बढ़ाते हुए भी। पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अध्यक्षता करते हुए अनिल सिंह अन्नू ने कहा बचपन में सुंदर, सालिन, सहज, दिखने वाली हमारी प्रधानमंत्री को लोग इंदिरा प्रियदर्शनी कहते थे। लेकिन देश में उतार–चढ़ाव को देखते हुए अपने कार्यकाल में कई बार कड़े कदम उठाये। पाकिस्तान के दो टुकड़े किए। देश की राजनीति में एक बार विपक्ष में बैठने के लिए दो सांसदों को दिया।

जिसके लिए उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने दुर्गा स्वरूपा कह कर दुर्गा की उपाधि से नवाजा। देश की प्रथम महिला हमारी प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने अंतिम भाषण में कहा था। कि जब मैं नहीं रहूंगी तब मेरे खून का एक एक कतरा देश के काम आएगा। ऐसे प्रधानमंत्री को हम बार–बार नमन करते हैं। और हम सब उनके जीवन के कार्यों का अनुसरण करते हुए देश को अखंड रखने का कसम खाते हैं। और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर उमाशंकर कसौधन ,राकेश बौद्ध, दिवाकर त्रिपाठी, अकरम अली सिद्दीकी, संतोष चौधरी, देवेंद्र राव, शिव शंकर, सुरजू, नंदू यादव, सुभाष कुमार, सुरेंद्र गौतम, अखलाक अहमद आदि की उपस्थिति रही।

आरक्षण को लेकर प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ी

राजेश शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। निकाय चुनाव में आरक्षण साफ ना होने के कारण जनपद के सभी नगर पालिका नगर पंचायतों के संभावित अध्यक्ष पद के दावेदारों में बेचौनी बढ़ती नजर आ रही है जहां कुछ लोग हाथों उत्साहित नजर आ रहे हैं तो वहीं कुछ उत्साह के साथ मैदान में लगातार डटे हुए आपको बता दें कि सबसे रोचक लड़ाई सदन नगर पालिका परिषद की सीट पर है जहां टिकर्थियों में दो पूर्व नपाध्यक्षों के शामिल होने से रोचक हुई टिकट की लड़ाई चुनावी वैतरणी पार करने की फिराक में हैं दर्जन भर से अधिक दावेदार नाम की घोषणा होते ही भाजपा प्रत्याशी को झेलनी पड़ सकती है अपनों की बगावत स्वतंत्र चेतना, सिद्धार्थनगर निकाय चुनाव की सियासत का रंग अब नगरीय क्षेत्रों में चढ़ने लगा है। टिकट के लिए सर्वाधिक रोचक संघर्ष सदर नपाध्यक्ष पद के लिए सतारूढ़ दल में छिड़ गया है। दिनोंदिन भाजपा से टिकट की आस लगाये लोगों की तादाद बढ़ती ही जा रही है। भाजपा से टिकट की रेस में दो पूर्व नपाध्यक्षों के शामिल होने से यह संघर्ष काफी रोचक हो गया है। टिकट के लिए मचे हाहाकार से जनता के मन में यह सवाल पूरी शिददत से उठने लगा है कि आखिर भाजपा किसे टिकट देगी? और किसे निराशा लगेगी। मालूम हो कि अभी निकाय चुनाव को लेकर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है, मगर शहर में इसकी सियासत अपने चरम पर पहुंचने लगी है। टिकटर्थियों की सर्वाधिक संख्या भाजपा में दिखायी दे रही है।

टिकट की इस रेस में दो पूर्व अध्यक्षों के शामिल होने से चुनावी बयार तेज हो गयी है। वर्तमान नपाध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल के साथ पूर्व नपाध्यक्ष हैं। एसपी अग्रवाल एवं पूर्व नपाध्यक्ष स्व. घनश्याम जायसवाल के पुत्र संजीव जायसवाल द्वारा टिकट के लिए कसरत किया जा रहा है। इसके अलावा निवर्तमान ब्लाक प्रमुख प्रतिनधि राजू सिंह, बार एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, अधिवक्ता पीपी मिश्रा, लाल आनंद प्रकाश बबलू, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, राम भरोसे चौहान, नकाय चुनाव मणिकांत शुक्ला समेत कई अन्य भी भाजपा प्रत्याशी होने का दावा कर रहे बताया जाता है कि टिकट के लिए लगी लंबी कतार से प्रत्याशी घोषणा के बाद भाजपा में बगावत की संभावना भी प्रबल हो गयी है। यह तो तय है कि टिकट किसी एक को ही मिलेगा। अन्य के हाथ सिर्फ निराशा ही लगेगी। अब सवाल यह है कि जो दावेदार काफी समय से जनता में अपनी पैठ बनाने का प्रयास कर रहा है क्या वह टिकट न मिलने की दशा में चुनावी मैदान से हट जायेगा। ऐसा होने की संभावना काफी कम है। जाहिर है कि अन्य दावेदार भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ उतर जायेंगे। इसका खामियजा भाजपा के प्रत्याशी को भारी पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भाजपा में टिकट के लिए लगी लंबी लाइन ने हाईकमान के सामने भी उहापोह की स्थिति पैदा कर दी है। यह तो आने वाला समय ही बतायेगा कि भाजपा किसे उम्मीदवार बनाती है लेकिन इतना तो तय माना जा रहा है कि टिकट किसी को मिले, उसे विरोधियों से संघर्ष के पहले अपनो से जूझना पड़ेगा। जिससे उसके सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा होगा।

स्वच्छता रन प्रतियोगिता में दिलीप यादव को मिला प्रथम स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खंड उसका बाजार के ग्राम पंचायत

सोहांस खास में विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर शनिवार को स्वच्छता रन प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान श्रीश प्रताप यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें दिलीप यादव को प्रथम, डब्लू का द्वितीय व सूरज कुमार को प्रतियोगिता में तीसरा स्थान मिला। इस दौरान ग्राम पंचायत की सड़को को प्रधान श्रीश यादव द्वारा झाड़ू लगा कर साफ सफाई भी किया गया। गाँव में साफ सफाई कराने एवं गंदगी के खात्मे का सभी ने प्रधान के अगुवाई में शपथ भी लिया। प्रधान यादव ने कहा कि संक्रामक बीमारी के खात्मे के लिए गांवो में साफ सफाई होना आवश्यक है। इसमें सभी की सहभागिता जरुरी है। प्रथम पुरस्कार दिलीप यादव को प्रथम पुरस्कार के रुप में दीवार घड़ी प्रधान उपहार दिया। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार, किशुन लाल, चौन, राम मिलन, पिंटू यादव, गौतम, कुरबान अली, ऋषि केश मिश्रा, रामू यादव, टासू यादव व रामवृक्ष आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

राहुल, प्रियंका का आत्मघाती दस्ता

अब फिर वे वापस आ गए हैं तो उनको पूर्वोत्तर के तीन राज्यों का प्रभारी बनाया गया और दिल्ली में एमसीडी चुनाव का भी प्रभार मिला है। अशोक तंवर को राहुल ने छह साल तक हरियाणा का अध्यक्ष बनाए रखा और वे पार्टी के बारे में अनाप–शनाप बोलते हुए पार्टी छोड़ गए। गुजरात में अमित चावड़ा और परेश धनानी से ...

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस पार्टी का भविष्य हैं। लेकिन राजनीति में सक्रिय होमे के बाद से दोनों ने जाने अनजाने में ऐसे नेताओं को आगे बढ़ाया, जो कांग्रेस के लिए फिदायीन साबित हुए, जिन्होंने अपने छोटे स्वार्थों में कांग्रेस का बड़ा नुकसान किया। सोचें, सोनिया गांधी अध्यक्ष बनीं तो उन्होंने कैसे लोगों को आगे बढ़ाया और राहुल–प्रियंका ने कैसे लोगों की मदद की! सोनिया ने जिनको आगे बढ़ाया उनमें अपवाद के लिए दो–तीन लोग ही होंगे, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी, भाजपा के साथ गए या कांग्रेस का नुकसान किया। इसके उलट राहुल व प्रियंका ने जिनको आगे बढ़ाया, उनमें ज्यादातर ने कांग्रेस का नुकसान किया। पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू का प्रयोग इसकी बड़ी मिसाल है। प्रदेश के तमाम बड़े नेताओं की कीमत पर सिद्धू को बढ़ाया गया, जिन्होंने अपनी बयानबाजी और गुटबाजी के जरिए पार्टी का भऋा बैठाने में बड़ी भूमिका निभाई। अजय माकन वैसा ही काम कर रहे हैं, जैसा सिदधू ने पंजाब में किया। माकन ने राजस्थान के प्रभारी पद से इस्तीफा दे दिया है। परिवार के प्रति उनकी निष्ठा को लेकर कोई सवाल नहीं है। लेकिन सोचें, उन्होंने कितना गलत समय चुना। प्रदेश में दिसंबर के पहले हफ्ते में एक उपचुनाव होना है, उसी समय राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान पहुंचने वाली है और उसी समय गुजरात में मतदान होना है। सोचें, माकन ने क्या सोच कर यह समय चुना? उन्होंने यही सोचा होगा कि इसका असर ज्यादा होगा या इससे कांग्रेस को ज्यादा नुकसान होगा! सितंबर के आखिरी हफ्ते की घटना को लेकर उन्होंने आठ नवंबर को कांग्रेस अध्यक्ष को चिऋी लिखी। ध्यान रहे दिल्ली के डिजास्टर के बाद भी कांग्रेस ने उनको बड़े पदों पर बनाए रखा और इस साल हरियाणा से राज्यसभा की टिकट भी दी, जहां वे एक वोट से हार गए। बहरहाल, ऐसे लोगों की लंबी सूची है। राहुल ने ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद तीनों को केंद्र में मंत्री बनवाया था। ज्योतिरादित्य ने तो 15 साल बाद मध्य प्रदेश में बनी कांग्रेस की सरकार को ही गिरवा दिया। जितिन और आरपीएन भी अलग अलग समय पर भाजपा के साथ चले गए। सचिन पायलट भी चले ही गए थे, लेकिन कुछ ऐसा हुआ, जिससे उनका प्रयास सफल नहीं हो सका। राहुल ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अजय कुमार को पार्टी में आने के साथ ही झारखंड का प्रदेश अध्यक्ष बनवाया था और एक चुनाव हारते ही वे पार्टी छोड़ कर चले गए। अब फिर वे वापस आ गए हैं तो उनको पूर्वोत्तर के तीन राज्यों का प्रभारी बनाया गया और दिल्ली में एमसीडी चुनाव का भी प्रभार मिला है। अशोक तंवर को राहुल ने छह साल तक हरियाणा का अध्यक्ष बनाए रखा और वे पार्टी के बारे में अनाप–शनाप बोलते हुए पार्टी छोड़ गए। गुजरात में अमित चावड़ा और परेश धनानी से लेकर केरल में के सुधाकरन तक सारे प्रयोग कांग्रेस के लिए आत्मघाती हुए। यह सही है कि इन नेताओं ने धोखा दिया या गलती की। पर हैरानी है कि कोई नेता अपने छोटे से राजनीतिक जीवन में कैसे इतने धोखेबाज या गलती करने वाले लोगों को बिना पहचाने आगे बढ़ा सकता है?

न्याय और नजरिया

क्या सियासी तकाजों से यह तय होगा कि किस अपराध को अधिक गंभीर और किसे भुला दिया जाने लायक माना जाएगा? अफसोसजनक है कि ऐसी धारणा बनाने में सुप्रीम कोर्ट की इस मामले में सामने आई राय ने भी भूमिका निभाई है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को सजा की बीच अवधि में रिहा करने का फैसला सिरे से आपत्तिजनक है। इससे लोगों ने यह संदेश ग्रहण किया है कि भारत में अब सजा और इंसाफ के पैमाने ठोस साक्ष्य और अपराध की गंभीरता नहीं रह गए हैं। बल्कि सियासी तकाजों से यह तय होने लगा है कि किस अपराध को अधिक गंभीर और किसे भुला दिया जाने लायक माना जाएगा। अफसोसनाक यह है कि यह धारणा बनाने में सुप्रीम कोर्ट की इस मामले में सामने आई राय ने भी भूमिका निभाई है। जिस देश में आज भी मृत्यु दंड का प्रावधान हो और आम जनमत इस सजा को कानून की किताब में बनाए रखने का समर्थन करता हो– और साथ ही जहां अनगिनत लोग बिना जुर्म साबित हुए मुकदमे की कार्यवाही लटके रहने की वजह से जेल में बंद हों, वहां एक जघन्यतम अपराध में शामिल मुजरिमों के प्रति दया या उदारता भाव दिखाना कतई तार्किक नहीं हो सकता।

अगर सर्वोच्च न्यायालय सचमुच मानता है कि एक अवधि तक की सजा काटने के बाद किसी को जेल में नहीं रहना चाहिए, तो उसे फिर उसे ये पैमाना सब पर लागू करना चाहिए। पंजाब और कश्मीर में आतंकवाद के आरोप में जेल में रखे गए लोग हों या उत्तर–पूर्व की चरमपंथी गतिविधियों और नक्सली हिंसा में शामिल रहे लोग– क्या उनके जुर्म एक पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या से ज्यादा संगीन हैं? अगर ऐसे तमाम मामलों के लिए न्याय और सजा पर समान नजरिया सामने नहीं आता है, तो यही माना जाएगा कि राजनीतिक माहौल के हिसाब से कुछ मामलों को चुन कर उनमें राहत देने का नजरिया हावी हो गया है। यह इस देश के भविष्य के लिए अच्छी बात नहीं होगी, अगर लोगों में न्यायिक फैसलों से ऐसी राय घर बनाने लगेगी। भारतीय न्यायपालिका ने खुद अपने फैसलों से भारतीय संविधान के मूल ढांचे की रक्षा की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली थी। मूल ढांच के साथ–साथ संविध ाान की मूल भावना भी अंतर्निहित है। यह भावना कानून के राज और सबसे समान बर्ताव का भरोसा जगाती है। क्या राजीव गांधी के हत्यारों को छोडने से यह भरोसा मजबूत हुआ है?

भारत में पर्यावरण संकट

इसकी प्रेरणा ईशावास्योपनिषद् का प्रथम मन्त्र दे रहा है इस संसार में जो कुछ है, वह सब ईश्वर से व्याप्त या ईश्वर का आवास है, इसलिए उनका उपभोग करना हो तो बिना उन में आसक्ति रखे, त्याग–भाव से उपभोग करें, कारण यह धन है किस का ? अर्थात् किसी एक का तो है नहीं । कितनी सही है यह जीवन–□ष्टि ! पर्यावरण के हर अंग की स्वच्छता तथा सबके बीच सौमनस्य बनाए रखने के लिए ...

अजय दीक्षित

हमने प्रकृति से जो खिलवाड़ किया है उसी का परिणाम हमारे सामने है । प्रकृति ने हमें पेड़ पौधे हरियाली दी, पशु पक्षी दिए लेकिन हमने पेड़–पौधों को काटकर कंक्रीटों का जंगल बना लिए जहाँ पेड़ नहीं तो चिडिया की चहचहाहट और कोयल की कूक होने का सवाल ही कहाँ उठता है। लेकिन समझदार हैं कहलानेवाले मनुष्य ने प्लास्टिक के पेड़ और घर में कोयल की आवाजवाली डोर बेल लगाकर ऐसा दिखने की कोशिश की मानों कुछ हुआ ही न हो। पेड़ों की ठंडी छांव की कमी दूर करने के लिए हमने वातानुकूलित संयंत्रों का सहारा तो लिया लेकिन यह तमाम ऐसी भी तो तापमान में वृद्धि करने का कारण बन रहे हैं। आज 45 से 49 तापमान को 55 से 60 होने में देर नहीं लगेगी। इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के नारे और कागजी बातें छोड़कर न केवल धरा पर पौधे लगाने चाहिए बल्कि उनकी सतत निगरानी भी करनी होगी। एक पौधे को बड़ा होने में कम से कम 5 वर्ष लगते हैं इसलिए यह कार्य हर शुभ अवसर पर होना चाहिए। यह सत्य है कि जनसंख्या नियंत्रण अथवा पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार सख्त से सख्त कानून बनाकर इस दिशा में कुछ सार्थक कर सकती है लेकिन यह दोनों काम केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते। यह ध ारा हमारी है तो इसे रहने लायक बनाए रखने की जिम्मेवारी भी तो हमारी है । भारतीय जीवन दर्शन में पर्यावरण को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। जब हम अपनी सांस्कृतिक परम्परा की बात करते हैं तो इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हमारा उद्देश्य आधुनिकता को पूरी तरह से नकारना है। आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन की अनदेखी नहीं की जा सकती। विशेष रूप से पर्यावरण के संदर्भ में यह स्वीकार करना ही पड़ेगा कि अंधी आधुनिकता ने प्रकृति का ऐसा दोहन किया है कि आगे का रास्ता तक दिखने में कठिनाई होने लगी है । प्राचीन भारतीय वाङ्मय – वैदिक– साहित्य, पुराणों, धर्मशास्त्रों, रामायण, महाभारत, संस्कृत साहित्य के अन्यान्य ग्रन्थों, पालि– प्राकृत साहित्य आदि की छानबीन करने पर पुरातन भारत की अरण्य–संस्कृति के मनोहर स्वरूप का साक्षात्कार होता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में अनेक रमणीय उद्यानों का संकेत मिलता है। अग्निपुराण में कहा गया है कि जो मनुष्य एक भी वृक्ष की स्थापना करता है, वह तीस हजार इन्द्रों के काल तक स्वर्ग में बसता है। जितने ही वृक्षों का रोपण करता है, अपने पहले और पीछे की उतनी ही पीढियों को वह तार देता है। मत्स्यपुराण में वृक्ष–महिमा के प्रसंग में यहाँ तक कहा गया है कि दस कुओं के समान एक बावड़ी, दस बावडियों के समान एक एक तालाब, दस तालाबों के समान एक पुत्र का महत्व है, जबकि दस पुत्रों के समान महत्त्व एक वृक्ष का अकेले है। पर्यावरण और जीवन का एक–दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है कि पर्यावरण के बिना जीवन नहीं हो सकता और जीवन के बिना पर्यावरण नहीं हो सकता। भारतीयता का अर्थ यही है– हरी–भरी वसुंधरा और उसमें लहलहाते फूल, गरजते बादल नाचते मोर और कल–कल बहती नदियाँ। यहाँ तक कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों और लताओं को देव तुल्य माना गया है। जहाँ अनादिकाल से इस प्रार्थना की गूंज होती रही है– है पृथ्वी माता तुम्हारे वन हमें आनंद और उत्साह से भर दें। पेड़–पौधों को सजीव और जीवंत मानने का प्रमाण भारतीय वाङ्मय मे विद्यमान है । नीम– पीपल आदि वृक्षों को घर–आँगन या आसपास लगाना हमारी परम्परा का विस्तार है। वृक्ष हमारे जीवन में रचे–बसे हैं इसीलिए तो हमारी लोक गाथाओं, लोकगीतों में शुद्ध सुगंध शीतल समीर, खुला आकाश, निर्मल जलधारा को पर्याप्त सम्मान प्राप्त है। पीपल जैसे पर्यावरण रक्षक वृक्ष के महत्व की चर्चा जन–जन के दय में है। गौतम बुद्ध के ज्ञान का साक्षी यही बोधिवृक्ष रहा है तो विश्व प्रसिद्ध ग्रन्थ गीता में श्री कृष्ण विराट रूप दिखाते हुए कहते हैं, श्अश्वत्थरू सर्ववृक्षाणाम् अर्थात् हे अर्जुन ! मैं वृक्षों में पीपल हूँ। हमारे समाज में पेड़ों को देवताओं के प्रतीक रूप में पूजा अर्चना तथा सुरक्षा की लोक परम्परा है, जैसे तुलसी विष्णुप्रिया है, केला वृहस्पति का रूप है, बरगद शिव का निवास है, नीम देवी का वास है, पीपल विष्णु का प्रतिरूप है। जैन तेरापन्थ में तो गुरुदीक्षा के नियमों में से एक है, हरे पेड़ को न काटना। पृथ्वी, नदियों–सरोवरों, आकाश, वायु आदि को देवत्व प्रदान कर, धरती व नदियों को माता और आकाश को पिता के रूप में अंगीकार कर भारतीय मनीषा ने जलवायु को प्रदूषण मुक्त रखने के भाव को भी अमूर्त प्रेरणा दी है। वैदिक युग के तैंतीस देवता प्राकृतिक शक्तियों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। ऋग्वेद का अप सूक्त और अथर्ववेद का भूमिसूक्त क्रमशरू जल व जमीन पर लिखी विश्व की सम्भवतरू प्रथम कविता है । प्राकृतिक तन्त्रों का संरक्षण और उनके बीच सन्तुलन स्थापित रखने का आशय यह है कि उनका उपयोग इस तरह हो, जिससे उनके मूल रूप में कम–से–कम परिवर्तन होय जिससे आसान पुनरू चक्रण (रि–साइकलिंग) द्वारा आसानी से उनकी क्षतिपूर्तित होती रहे और प्राकृतिक संसाधन यथासम्भव अपने मूल रूप में सुरक्षित रहें। यह तब संभव है, जब हम लालच से रहित होकर प्रकृति की उदारता का उपयोग करें उपभोग नहीं । इसकी प्रेरणा ईशावास्योपनिषद् का प्रथम मन्त्र दे रहा है इस संसार में जो कुछ है, वह सब ईश्वर से व्याप्त या ईश्वर का आवास है, इसलिए उनका उपभोग करना हो तो बिना उन में आसक्ति रखे, त्याग–भाव से उपभोग करें, कारण यह धन है किस का? अर्थात् किसी एक का तो है नहीं । कितनी सही है यह जीवन–दृष्टि ! पर्यावरण के हर अंग की स्वच्छता तथा सबके बीच सौमनस्य बनाए रखने के लिए सदा सचेष्ट रहनेवाली मानसिकता से ही कभी यह मन्त्र सृजित हुआ होगा, जो आज तक किन्हीं लोगों की नित्य प्रार्थना या कर्मकाण्ड का अंग बना हुआ है ।

जी–20 की अध्यक्षता, या कांटे का ताज?

नूसा डुआ की शिखर बैठक में प्रेसिडेंट पुतिन नहीं आये। क्या दिल्ली बैठक में पुतिन आयेंगे ? इस प्रश्न के उत्तर का इंतजार करना होगा। पीएम मोदी समरकंद से लेकर नूसा डुआ तक अपनी बात दोहराते गये हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद होना चाहिए। बिल्कुल वाजिब बात है। बंद होना चाहिए युद्ध। मगर, अंतरराष्ट्रीय मंच पर अब मोदी जो कुछ बोलेंगे, उसे जी–20 का समवेत स्वर माना जाएगा, इसे ...

पुष्परंजन

स्टॉकहोम स्थित शसिपरीश की रिपोर्ट थी कि 2012 में भारत रूस से 69 प्रतिशत हथियार आयात करता था, 2017 आते–आते 47 फीसद रह गया था। सवाल यह है कि मोदी यूक्रेन मामले पर समरकंद से ही इतने मुखर क्यों हो गये? रूस और भारत के बीच अंदर ही अंदर क्या चल रहा है, इसे खंगालने की जरूरत है। थोड़ा मिस–कैलकुलेशन हो गया, वरना आजादी के अमृत वर्ष में जी–20 शिखर सम्मेलन का डंका भी दिल्ली में अच्छे से बजता। इंडोनेशिया के नूसा डुआ में भारत को जी–20 की अध्यक्षता लेते समय सिफ घंटे पर हथौड़ा भर मारना था। उसकी गूंज, जितनी होनी चाहिए थी, हुई नहीं। कायदे से यह अध्यक्षता भारत को 2021 में ले लेनी चाहिए थी। उसका फायदा यह होता कि 2022 में जी–20 शिखर सम्मेलन का समा नई दिल्ली में बंधता, अमृत वर्ष में चार चांद लग जाता। चार साल पहले, इसका ठीक से गुणा–भाग नहीं किया था। 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2018 तक अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में जी–20 की शिखर बैठक थी। समापन वाले दिन पीएम मोदी का आग्रह था कि हम जी–20 की अध्यक्षता 2021 के बदले 2022 में लेंगे। इस वास्ते इटली को मनाना आवश्यक था। अर्जेंटीना के बाद 2019 में जापान, नवंबर 2020 तक सऊदी अरब, और इंडिया का टर्न 2021 में आ चुका था। 2022 में जी–20 की अध्यक्षता की बारीइटली की थी। इटली के प्रधानमंत्री जुसेपे कोंते जी–20 की अध्यक्षता को आगे–पीछे करने के वास्ते सहजता से कैसे राजी हो गये? जिसने भी सुना, हैरान हुआ। यूनस आयर्स में जी–20 की शिखर बैठक से महीना भर पहले जुसेपे कोंते 30 अक्टूबर 2018 को दिल्ली आये थे। कोंते की उस यात्रा में भारत–इटली के बीच आर्थिक व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहकार के बड़े–बड़े संकल्प किये गये थे। 29 और 30 अक्टूबर 2018 को पीएम मोदी को जापान में रहना था, मगर जुसेपे कोंते से मिलने की शिद्दत इतनी थी, कि उस यात्रा को थोड़ा पीछे किया गया। आजादी के अमृत वर्ष में भारत को जी–20 की अध्यक्षता का अवसर मिला तो मगर, जिस दिव्य समारोह का दीदार देश की जनता अमृत वर्ष में करती, उससे वंचित रह गई। इंडोनेशिया के नूसा डुआ में जी–20 की अध्यक्षता सौंपने वाले परिदृश्य को दिखाना और उसकी चर्चा विश्व मीडिया की विवशता थी, वरना भारत तो पहले पन्ने से गायब ही दिख रहा था। अमेरिकी–यूरोपीय मीडिया से लेकर पूर्वी एशिया के तमाम अखबार, ग्लोबल टाइम्स, जकार्ता पोस्ट तक खंगाल लीजिए, शी और जो बाइडन पूरा मीडिया कवरेज ले रहे थे, पीएम मोदी सीन से गायब। विश्व मीडिया, श्बेइमान मीडियाश के बतौर दिख रहा था। क्षति पूर्ति के लिए भारतीय एजेंसियों व टीवी चौनल पत्रकार ढो–ढोकर ले जाए गये थे। इंडोनेशिया का भारतीय समुदाय कैसे पीएम मोदी का वेलकम कर रहा है, वैसे इवेंट को दिखाना हमारे फ ॅरेन कवरेज का हिस्सा हो चुका है, इसे मीडिया के विद्यार्थी अच्छे से समझ लें। प्रधानमंत्री मोदी, शी चिनफिंग से हाथ मिलाते हैं, मालूम नहीं चीनी मीडिया के लिए यह खबर क्यों नहीं बनी। बंदअक्ल है, वहां का मीडिया। केवल शी और जो बाइडेन पर केंद्रीत कवरेज। मगर भारत में देखिये, लपक कर हाथ मिलाने की उस ऐतिहासिक परिघटना को अच्छे से परोसा गया। मोदी समर्थक सोशल मीडिया लहालोट था। इससे खुन्नस खाये ट्रोल आर्मी ने जवाबी हमले में प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बक्शा। हाथ मिलाओ तो बुरा, न मिलाओ तो मुश्किल। खबर बनती कि शी ने भाव नहीं दिया।

जी–20 बैठक का कितना विरोध हुआ, कितने गिरफ्तार किये गये? यह जानने के वास्ते ढूंढते रहिए। इंडोनेशिया के नूसा डुआ में जी–20 की यह 17वीं शिखर बैठक थी। उससे पहले जितने संकल्प जी–20 के मंच पर किये गये थे, क्या वो पूरे हुए? न तो कोई पिछले संकल्पों की याद दिलाता है, न हिसाब लेता है। अनोखा मंच है, जहां बिना अप्रेजल के प्रोमोशन पाते रहिए। कूटनीति में मूल्यांकन करने वाले कम होते जाएं, तो यही परिणाम निकल कर आता है। केवल इवेंट पर ध्यान केंद्रीत होना चाहिए। श्साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्टश, मुद्रित मीडिया का एक बड़ा ब्रांड है। नूसा डुआ में उसकी एक एक्सक्लूसिव खबर थी कि विश्व नेताओं ने गुलाबी, नीली शर्ट पहनकर अपने–अपने गुट दिखाये हैं। पीएम मोदी गुलाबी शर्ट में नुमायां थे, ऋ षि सुनक भी गुलाबी परिधान में प्रस्तुत थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो यदि गुलाबी शर्ट में दिख रहे थे, तो कैसे मान लें कि ट्रूडो और मोदी सेम पेज पर हैं? शी और जो बाइडेन तथा रूसी विदेश मंत्री सर्गे लावरोव नीली शर्ट में नमूदार थे, तो क्या मान लें कि ये तीनों एक जैसी कूटनीतिक सोच वाले थे? कुछ भी लिख दो, और लीड खबर बना दो। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट जैसे अखबार का ये हाल है। 1999 में जी–20 की आधारशिला ग्लोबल अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि व ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के निस्बतन रखी गई। सबसे पहले यह आइडिया दुनिया के सात समृद्ध देशों के वित्तमंत्रियों व सेंट्रल बैंक के गवर्नरों ने विकसित किया था। समय के साथ जी–20 में पर्यावरण, आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई और महिला अधिकार जैसे विषय जुड़ते चले गये। सात से बढ़ते–बढ़ते 19 देश और यूरोपीय संघ को मिलाकर 20वां समूह, जी–20 के सदस्य हैं। 19 देशों के बीच संगठन की अध्यक्षता बारी–बारी से घूमती रहती है। यह तो स्पष्ट है कि जी–20 का लक्ष्य विश्वभर में व्यापार साझा करना है। इसमें सहयोग के बहुत सारे आयाम जुड़ते चले गये। भारत में जो लोग जी–20 की अध्यक्षता को उपलब्धि मानकर फू ले नहीं समा रहे हैं, उनसे पूछना चाहिए कि इस देश में जिन मूल्यों को आधार बनाकर आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी, क्या उसका जी–20 के मोटो से कोई मेल है? आजादी की लड़ाई विदेशी भगाओ, विदेशी वस्तुओं की होली जलाओ जैसी भावनाओं से लबरेज रही है। 2023 में जब जी–20 की शिखर बैठक होगी, क्या आप अपने पुरखों के बनाये मूल्यों की होली जलाएंगे? वैसे भी यह मंच अमेरिका की आरती उतारने के वास्ते बना है। श्एकै साधे सब सधैश के सनातन सिद्धांत को मानते रहिए, व्हाइट हाउस को रिझाने के वास्ते ठकुरसुहाती करते रहिए। आप 2019 के जी–20 समिट को याद करें जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की वजह से महिला अधिकार जैसे विषय को प्रमुख अजेंडे के रूप में शामिल किया गया था। पैरिस सम्मेलन में पर्यावरण को लेकर अमेरिका अड़ गया, तो जी–20 संकट में आ गया। नूसा डुआ में जो बाइडेन और शी शिद्दत से मिले, तो सबको सम्मेलन की सफलता नजर आने लगी। यह किसी को नहीं दिख रहा कि 600 बिलियन डॉलर की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का अर्थशास्त्र इस भरत मिलाप के पीछे काम कर रहा है। यह भी तय हो गया कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी जे ब्लिंकन 2023 के शुरूआती हफ्तों में चीन की यात्रा करेंगे। लेकिन इस यात्रा से पहले अमेरिका को यह स्पष्ट करना होगा कि चीन के विरूद्ध जो प्रतिबंध लगाये थे, उसे हटा लिये गये हैं। इंडोनेशिया के समानांतर मिस्र के शर्म अल शेख में 6 से 18 नवंबर तक चलने वाले श्सीओपी–27 कांफ्रेंसश में अमेरिकी पर्यावरण जॉन कैरी और उनके चीनी समकक्ष शिए जनहुआ के बीच लंबी मुलाकात से यह दिखने लगा है कि दोनों दिग्गज देश ग्लोबल वार्मिंग को दुरूस्त करने के प्रति अब गंभीर हैं। तीन महीने पहले यूएस हाउस स्पीकर नैंसी पलोसी की ताइवान यात्रा से जो कड़वाहट पैदा हुई थी, नूसा डुआ से शर्म अल शेख तक उसे कम करने के प्रयास दिखे हैं।

अलग–अलग मार्ग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन घायल

सिधौली (सीतापुर)। क्षेत्र के अलग–अलग मार्ग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन घायल हो गये। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य सिधौली में भर्ती किया गया। सिधौली कोतवाली अंतर्गत सिधौली मिश्रिख मार्ग के धर्मपुर संपर्क मार्ग पर एक बाइक सवार ने एक साइकिल सवार को मारी जानकारी के अनुसार सिधौली कोतवाली के सिधौली मिश्रिख मार्ग पर बाड़ी गांव के निकट ध र्मपुर जाने वाले संपर्क मार्ग पर एक प्लाईवुड फैक्ट्री के निकट . लगभग 3 के करीब एक साइकिल सवार को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार रहीम 12 वर्ष पुत्र इद्दु निवासी मिर्जापुर थाना सिधौली बुरी तरह से चोटिल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे घायल हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य सिधौली भेज दिया। जहां पर उसका इलाज किया जा रहा था। इसी तरह एक तेज रफ्तार अज्ञात अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने स्कूल से अपने घर लौट रही छात्रा को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सिधौली कोतवाली क्षेत्र के अलादादपुर निवासी रुखसाना पुत्री एजाज सिधौली कस्बे के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ती है। स्कूल से छुट्टी होने के बाद अपने घर जा रही थी। तभी कस्बे के नेशनल स्कूल के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन उसे लेकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचे। जहां पर उसका इलाज जारी था वही दोपहर दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में 4 घायल हो गये। जहां से एक की हालत को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर में रेफर कर दिया है। शेष का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिध ौली में जा रही है। राधे लाल रावत पुत्र रामदीन निवासी रमपुरवा मजरा नीलगांव अपनी मोपेड बाइक से नीलगांव से भगौतीपुर की ओर जा रहा था। तभी भगौतीपुर नीलगांव मार्ग पर किरतापुर के निकट विनय कुमार पुत्र राम चेला तथा उसकी बुआ का बेटा अनूप पुत्र उदय राज निवासीगण ग्राम दुधरा थाना रामपुर कला अपनी 18 वर्षीय साली गायत्री पुत्री सोबरन निवासी जंगलपुरवा थाना रामपुर कला की बाइक से राधेलाल के बाइक टकरा गई। दोनों बाइकों पर सवार कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिध ौली एंबुलेंस की सहायता से पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने राधेलाल की हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं नेशनल हाईवे पर अटरिया थाना के रामनगरा गांव के निकट एक बाइक सवार ने आगे जा रही एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक पर सवार 5 लोग घायल हो गये। सभी घायलों को सीएचसी सिधौली में भर्ती किया गया। उक्त घटना में शाम 5 बजे के करीब हुई बताते हैं रामगोपाल 50 पुत्र श्यामलाल अपनी पुत्र नीरज 24 व पत्नी राधा 48 की दवा लेने इटौंजा गए थे और अपनी मोटरसाइकिल से सिध ौली की तरफ वापस लौट रहे थे। तभी अटरिया थाना के रामनगरा के निकट एक पीछे से अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गये। दूसरी बाइक पर सवार हरीश पुत्र मोलहे निवासी टिकौली थाना सिधौली तथा सुमेर पुत्र बुद्धालाल बख्सी का तालाब जनपद लखनऊ से वापस आ रहे थे तभी रामगोपाल की मोटसाइकिल पीछे से टक्कर मार दी। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य से दूरी लाया गया। जहां पर उनका इलाज किया जा रहा था।

दिव्यांग साथियों के साथ संवेदीकरण कार्यशाला एवं स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
नौतनवां/सिद्धार्थनगर। पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति, शाखा–नौतनवां द्वारा संचालित प्रयास कार्यक्रम के अन्तर्गत क्राइस्ट द किंग हाइ स्कूल छपवा नौतनवां में दिव्यांग साथियों के साथ संवेदीकरण कार्यशाला एवं स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छपवा, खैराटी, सिघोरवा, चण्डीथान, जारा, बाबू पैसिया आदि गांव के दर्जनों दिव्यांग उपस्थित रहे। पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति गोरखपुर के फिजियो थैरेपिस्ट शशिशेखर ने दिव्यांग साथियों को अभ्यास करके उनकी दिव्यांगता में सुध ार करने के लिए अभिभावक को बताएं। इस अवसर पर बड़ौदा यूपी बैंक के त्रिपुरारी प्रसाद शाखा प्रबंधक नौतनवा ने दिव्यांगजन के लिए बैंक की योजनाओं के बारे में जागरूक किया, और कार्यक्रम समन्वयक अब्दुल हमीद ने दिव्यांग किशोरियों, महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजिविका पर जोर दिया। जिला समन्वयक श्रवण कुमार ने विकलांगता के प्रकार पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्राइस्ट द किंग हाई स्कूल छपवा के प्रध ानाचार्य एवं पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति, शाखा–नौतनवा के प्रभारी फादर सोविन ने दिव्यांग साथियों को हर क्षेत्र में चढ़–बढ़कर साझेदारी की बात कही, और जानकारी लेकर ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सुगमकरता कृष्णा कुमार ने किया जबकि स्वागत सुगमकरता सुनील कुमार ने दिया।

गांधी चबूतरा मैदान पर अतिक्रमण कर भवन निर्माण रोकने की सांसद मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका कस्बा के रेहरा बाजार में स्थित गांधी चबूतरा मैदान में अतिक्रमण कर हो रहे अवैध पीएम आवास के निर्माण को रोकने व सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नागरिको ने जिला मुख्यालय स्थित सांसद कार्यालय पर शनिवार को ज्ञापन दिया है। दूरभाष पर सांसद ने न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। कस्बा के आद्या प्रसाद नगर वार्ड के निवासी ध्रुप अग्रहरि, मनोज जायसवाल, सूरज मोदनवाल, प्रहलाद अग्रहरि, विकास, आदि नागरिको ने सांसद के कार्यालय पर जाकर गांधी चबूतरा मैदान में अतिक्रमण कर अवैध निर्माण रोकने सम्बन्धी ज्ञापन सौंपा। सांसद बाहर रहे। कार्यालय के प्रभारी ने पीड़ितों को दूरभाष पर सांसद से बात कराया। सांसद ने अतिक्रमण रोकने का आश्वासन दिया है। नागरिको का आरोप है कि जिम्मेदारों की मिलीभगत से इसी वार्ड का निवासी एक व्यक्ति गांधी चबूतरा मैदान में अतिक्रमण करके आवास बना रहा है जबकि इस मैदान में बाला जी भजन कीर्तन, दुर्गा पूजा लक्ष्मी पूजा सहित आसपास के लोगो का मांगलिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होता है।

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान व संबंधित अधिकारियों पर लगाया गंभीर आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश
रामनगर/बाराबंकी। विकास खण्ड रामनगर अंर्तगत ग्राम पंचायत अछेछा के दर्जनों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर विकास कार्य मे धांध ाली करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना विकास कार्य करवाए ग्राम प्रध ान ने विकास कार्य की धनराशि हड़प ली है। उक्त गांव के निवासी अमरेश चंद्र, विनय कुमार, कौशल किशोर, विक्रम सिंह आदि ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि गांव में इंटरलॉकिंग का कार्य प्रधान द्वारा करवाया जा रहा है जोकि मानकविहीन है तथा इस कार्य का ग्राम प्रधान द्वारा पूर्व में ही कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान करवाया जा चुका है। कुछ ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि प्रधान द्वारा जिस चमरहवा तालाब से नहर तक नाला सफाई कार्य मनरेगा योजना से दर्शा कर धनराशि हड़पी गई है उस नाले की सफाई ग्रामीणों द्वारा चंदा एकत्रित कर जे सी बी से करवाई गई है। उक्त प्रकरण पर जब एडीओ पंचायत रामनगर से बात की गई तो उन्होने अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि इस पुरे मामले की जांच वो स्वयं करेंगे जांचोपरांत जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

समाधान दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी/सिद्धार्थनगर। शनिवार को एसडीएम बांसी प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया जिसमें 29 आवेदन आए। जिसका मौके पर 9 का निस्तारण हुआ। 7 राजस्व विभाग, 1 चकबंदी व एक बाल विकास परियोजना खेसरहा का रहा। आये आवेदन राजस्व विभाग 11, विकास 4, चकवन्दी 5, पुलिस 6, अन्य 7, विभाग के आवेदन आए। इस दौरान एडिशनल एसपी सिद्धार्थ, तहसीलदार बांसी, कोतवाली प्रभारी वेद प्रकाश श्रीवास्तव नगर पालिका ईओ विंध्याचल सहित अन्य विभाग के लोग भी उपस्थित रहे।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी 10 अंतर्जनपदीय डीजल चोर गिरोह को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
बाराबंकी। स्वाटध्सर्विलांस टीम व थाना रामसनेहीघाट पुलिस

टीम ने अन्तर्जनपदीय डीजल चोर गिरोह के 10 शातिर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार। बाराबंकी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया 35 लीटर डीजल, 01 अदद मोबाइल, 02 अदद नम्बर प्लेट, एक नेपाली नोट, प्लास्टिक पाइप, खाली प्लास्टिक की पीपिया, नकद रूपये, 04 अदद तमंचा 07 अदद जिन्दा व 01 अदद खोखा कारतूस व घटना में प्रयुक्त दो अदद वाहन बरामद किया है। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को स्वाटध सर्विलांस टीम व थाना रामसनेहीघाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अन्तर्जनपदीय डीजल चोर गिरोह के 10 शातिर अभियुक्तों 1. महेश सिंह पुत्र वीरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी पिण्डारा थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी, 2. गोलू उर्फ अभय प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह निवासी हरिहरपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी, 3. सूरज सिंह पुत्र जंगबहादुर निवासी हरिहरपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी, 4. मो0 इमरान पुत्र सगीर निवासी पांचूपरिन थाना कोतवाली नगर जनपद सुलतानपुर, 5. अमित दुबे पुत्र रमाशंकर निवासी खरगीपुर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी, 6. मो0 एहसान पुत्र मो0 अख्तर निवासी धरहरपुर थाना धम्मौर जनपद सुलतानपुर, 7. सचिन सिंह पुत्र सुशील कुमार सिंह निवासी धरौली थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी, 8. संगमलाल पुत्र बाबूलाल निवासी बंधुआकला थाना बंधुआकला जनपद सुलतानपुर, 9. लल्लू मिश्र उर्फ दुर्गा प्रसाद पुत्र भवानी प्रसाद निवासी भागूपुर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी, 10. शिवम सिंह पुत्र संजय सिंह निवासी रवनिया पश्चिम थाना कुड़वार जनपद सुलतानपुर को दरियाबाद ओवर ब्रिज के पास ग्राम वैशनपुरवा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभियुक्तों ने कई चोरियों की घटनाओं में संलिप्त होना स्वीकार किया है।

सीटू फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस आयोजितः किसानो को दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश
भनवापुर/सिद्धार्थनगर। कृ

षि विज्ञान केंद्र सोहना सिद्धार्थनगर के वैज्ञानिकों द्वारा गाँव चौखडा विकास खण्ड भनवापुर में इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया द्य केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार नें किसानों को प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर किसानों को धान फसल के उपरांत गेहूं की सीधी बुआई किसानों के लिए काफी लाभदायक है। सीधी बुआई से किसानों को प्रति एकड़ तीन हजार की बचत होगी। गेहूं की सीधी बुवाई के लाभ के बारे में बताया कि फसलों के पौधों जड़ों में जल्दी सूखा नहीं आता। सिंचाई की जरूरत कम हो जाती है। फसलों में पहली सिंचाई देर से व कम सिंचाई करने के कारण खरपतवार, बीमारियां और कीट प्रकोप भी कम आता है। डॉ शेष नारायण सिंह ने बताया कि प्रक्षेत्र दिवस के आयोजन का उद्देश्य किसानों और विज्ञानियों के बीच ध ारातल पर संवाद स्थापित करना होता है ताकि तकनीक की अच्छाइयों और बुराइयों को जान सकें। डॉ एस के मिश्रा ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत जो भी प्रदर्शन किया गया है, वहां ज्यादा से ज्यादा किसानों को भ्रमण कराना है। जिससे किसान उक्त तकनीक को खेतों पर देखकर उसकी जानकारी हासिल कर सकें और तकनीक आधारित खेती कर सकें। नई बीज लेपित तकनीक पानी बचाने व खरपतवार की रोकथाम करने में सक्षम है। डॉ मार्कंडेय सिंह नें किसानों को धान के अवशेष को खेत में सड़ाकर उन्नतशील अधिक उपज देनें वाली गेंहूँ की बुबाई 15 नवंबर से पहले करें तो अधिक उपज प्राप्त होगी और गेंहूँ की बुबाई के समय दाप डी ए पी और एम ओ पी का प्रयोग करें और यूरिया का प्रयोग पहली और दूसरी सिचाई करें। इस अवसर पर कालेश्वर सुरेश चंद्र त्रिपाठी विद्या भूषण त्रिपाठी अमरजीत पाठक रमेश कुमार राध ेश्याम मनोज कुमार ओमप्रकाश दुर्गा प्रसाद सुशील सिंह घनश्याम आदि किसानों नें प्रतिभाग किया।

एनसीसी कैडेटों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जनता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उदयराजगंज सिद्धार्थनगर में एनसीसी कैडेटों का दिनांक 14.11.2022 से 19.11.2022 तक चलने वाला 6 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा हुआ। इस दौरान भारतीय सेना में सूबेदार बीएस मंगलमजाव तथा हवलदार रमेश प्रधान ने कैडेट्स को ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, राष्ट्रीय एकता, आदि का प्रशिक्षण दिया। परेड के दौरान 46 एनसीसी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल वीके शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एनसीसी के ऑफिसर पंकज कुमार चौधरी ने बताया की एनसीसी से बच्चों में ना सिर्फ शारीरिक विकास और आत्म अनुशासन की भावना आती है। अपितु मानसिक विकास भी होता है तथा सेना की नौकरियों में वेटेज भी मिलता है इस अवसर पर कैडेट्स को प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार गुप्ता, दयाशंकर यादव, राम बहादुर, शेष नारायण ओझा, श्रवण कुमार तिवारी आदि अध्यापकों ने भी प्रोत्साहित किया।

नरेंद्र कुमार वर्मा आवेदन दावेदारी पेश करने के बाद पहुंचे आपने जनता के बीच किया जनसंपर्क तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश
बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के निवर्त्तमान जिला अध्यक्ष अधि वक्ता सभा बाराबंकी ने नरेंद्र वर्मा को समाजवादी पार्टी से चेयरमैन नगरपालिका बाराबंकी पद हेतु लड़ाने का पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी सहित प्रदेश व जिला अध्यक्ष को लिख कर किया संस्तुति। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांति ओम निवर्तमान जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा ने नरेंद्र वर्मा पर भरोसा जताया है कि बाराबंकी में भाजपा को यदि हराना है तो सिर्फ नरेंद्र वर्मा को ही समाजवादी पार्टी से चेयरमैन पद हेतु लड़ाना होगा। नरेंद्र वर्मा ही हमेशा जनता की सेवा व दुख सुख में शरीक होते हैं जिनके कार्य व्यवहार पर कोई प्रश्न चिन्ह नही लगा सकता है नरेंद्र ने गरीबो, मजलूमों, व्यापारियों, किसानों, बेरोजगारों की मददगार साबित हुए हैं जिन्होने टैक्सी चालकों, वाहन स्वामिओ, फुटपाथ पर लगाने वालों की हमेशा मदद किया है नगरपालिका वासियों को ऐसे को चेयरमैन की जरूत है जो जनता की हर समश्याओ का रखता हो। समय समय पर मीडिया से जुड़े लोगों को न्याय भी दिलाने का काम किया है। तथा सासन प्रशासन से जनता के काम कराने की छमता है बाकी प्रत्याशियों में शायद यह सब नही है। अब देखना होगा कि समाजवादी पार्टी किस पर भरोसा रखकर अपना चेयरमैन लड़ाती है।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 20 नवम्बर, को विशेष अभियान दिवस घोषित

मीरजापुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को जानकारी देते हुये बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा– निर्देश के क्रम में निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 जनवरी 2023 के आधार पर निर्वाचक नामावलियों में अपना नाम दर्ज कराने, मृतक, शिफ्टेड मतदाताओं का नाम मतदाता सूची के हटाये जाने एवं किसी भी प्रकार की प्रविष्टि में संशोधन हेतु फार्म – 6, 7, 8 सम्मिलित किये जाने हेतु 20 नवम्बर, 2022 दिन रविवार को विशेष अभियान दिवस घोषित किया गया है। उक्त दिवस पर समस्त बूथ लेविल अधिकारी समुचित फार्मों के साथ अपने–अपने बूथों पर उपस्थित रहेंगे। सभी अर्ह नागरिकों से अपील की जाती है कि वे कृपया उपरोक्त दिवस पर अपने बूथ पर जाकर मतदाता सूची का निरीक्षण कर लें, यदि किसी अर्ह मतदाता जो 1 जनवरी, 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा हो अथवा उससे अधिक आयु का हो परन्तु उसका नाम मतदाता सूची में शामिल न हो तो वह उपरोक्त दिवस पर अपने से सम्बन्धित मतदेय स्थल पर उपस्थित होकर प्रारूप–6 में आवेदन कर के अपना नाम दर्ज करवा सकता है।

तहसील परिसर में इंटर लॉकिंग के लिए जिला जज के आदेश पर अमल नहीं

पट्टी– प्रतापगढ़ , पट्टी तहसील परिसर में ग्राम न्यायालय खोलने के लिए जिला जज ने एसडीएम पट्टी को तहसील परिसर में खाली पड़ी जमीन का तत्काल इंटरलॉकिंग कराने के लिए निर्देशित किया क्योंकि वहां बरसात के समय जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और आमजन को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जिला जज के निर्देश के अनुपालन के लिए एसडीएम ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को तत्काल पत्र भेजकर शीघ्र कार्यवाही करने का निर्देश दिए। किन्तु लगभग एक माह का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं हुई।इसके संबंध में एसडीएम देशदीपक से पूछने पर उन्होंने बताया कि पत्र टाउन एरिया को भेजा गया है और मौखिक भी कई बार कहा गया।लेकिन बजट के अभाव का बहाना बताकर अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब चुनाव का समय आ गया है वैसे भी इस समय कार्यवाही होना असंभव है।चुनाव के बाद तहसील परिसर में तत्काल इंटरलॉकिंग कराई जायेगी। पट्टी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश सिंह ने ग्राम न्यायालय खोले जाने के लिए कई बार उच्च अधिकारियो से मांग उठा चुके हैं।

डेढुवा गांव में तालाब पर कब्जा करके निर्माण करने की शिकायत

पट्टी– प्रतापगढ़। तालाब पर कब्जा रोकने के लिए कोर्ट के निर्देश पर सरकार द्वारा कई बार अभियान चलाया गया,लेकिन पूर्णतया सफलता अभी तक नहीं मिली है।पट्टी तहसील के कई गांवों में अभी तक कुछ लोग तालाबों पर कब्जा बनाए हुए हैं। जबकि इसके संबंध में लगभग सभी लेखपालों से यह सूचना लिखित रूप से ले ली गई है कि उनके क्षेत्र से किसी गांव में तालाब की जमीन पर कब्जा नहीं है। इसके उल्टे एक उदाहरण पट्टी तहसील क्षेत्र के डेढुवा गांव निवासी गुड्डू पुत्र तीरथ राज का है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोग जबरन तालाब की भूमि पर कब्जा करके निर्माण कर लिए हैं। इसके लिए सरकार द्वारा समय–समय पर अभियान भी चलाया गया, लेकिन सफलता मिलती नहीं दिख रही है।इसके अलावा तरदहा गांव में बना नया पावर हाउस पूरा तालाब की भूमि पर बना है। जिसकी हाल खबर और पूंछने वाला कोई नहीं है।

चोरी का 01 अदद लैपटाप, 02 मोबाइल फोन व 02 स्पीकर के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जनपद के थाना कन्धई के उ0नि0 रमेश सिंह मय हमराह द्वारा आज दिनांक 18.11.2022 को वादी मुकदमा की सूचना पर थानाक्षेत्र के ताला जाने वाले सड़क के पास से 'मु0अ0सं0 452ध 2022 धारा 457, 380, 411 भादवि' से संबंधित 03 अभियुक्तों 01. सूरज पुत्र मेवालाल 02. रमेश पुत्र बाबूलाल 03. पप्पू पुत्र लालजी नि0गण ओझला थाना कंधई जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर उनके कब्जेध निशानदेही पर अभियोग से सम्बन्धित चोरी का 01 अदद लैपटाप, 02 मोबाइल फोन व 02 स्पीकर बरामद किया गया। अभियुक्तों नें पूछताछ में बताया कि दिनांक 16ध17.11.2022 की रात्रि में हम लोगों ने बरामद सामान अपने गांव से चुराया था जिसे हम लोग बेचने के लिए जा रहे थे कि आप ने पकड़ लिया।

सीडीओं द्वारा खोराडीह में एसबीएम फेज–2 की धनराशि से कराये जा रहे कार्यों का किया गया निरीक्षण

मीरजापुर। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस द्वारा विकास खण्ड राजगढ़ के ग्राम पंचायत खोराडीह में एसबीएम फेज–2 की धनराशि से कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। कूड़ा वाहन हेतु बिना जीएसटी के रू. 165000.00 निर्धारित है, जबकि जीएसटी सहित रू. 209350 में क्रय किया जाना बताया गया, किन्तु भुगतान अभी नहीं हुआ है। खाद गडढा 1 मीटर ऊंचा, 1.50 मीटर चौड़ा एवं 3 मीटर लम्बाई में बना है। हनी काम्बिंग का स्पेश अधिक है, इसे 2 इंच करने का निर्देश दिया गया। कूड़ा प्रबन्धन केन्द्र– यह कार्य शासन की गाइड लाईन के अनुसार रू. 13.50 लाख से कराया जाना है, जबकि कंसल्टिंग इंजीनियर द्वारा 17 लाख का स्टीमेट बनाया गया है, जो गाइड लाइन के विपरीत है। मौके पर प्लिंथ बीम ढलाई का कार्य चल रहा था, इस पर 15 श्रमिक कार्य करते हुये पाये गये। इस कार्य को निर्धारित स्टीमेट 13.50 लाख रू. की लागत से 15 दिवस के अन्दर पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। बोर राज्य वित्त की धनराशि से करा लिया जाय नाफेड का निर्माण 1.5 मीटर ऊंचा, 2 मीटर चौड़ा एवं 3 मीटर लम्बाई में बनाया गया है, इस पर टीन शेड अभी नहीं लगाया गया है। इस पर कितनी धनराशि व्यय की गयी है, इसका विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। ग्रामीणों को इसका प्रयोग करने के लिये डी.सी गांव में एक दिन बैठक करके ग्रामीणों को प्रेरित करें। राम नगीना के घर से तालाब तक 220 मीटर में भूमिगत नाली निर्माण (हयूम पाइप) कार्य से सम्बन्धित स्टीमेट उपलब्ध नहीं कराया गया। बताया गया कि अभी स्टीमेट नहीं बना है। उपरोक्त सभी कार्य बिना स्टीमेट स्वीकृत के कराये जा रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। मौके पर उपस्थित जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बिना स्टीमेट स्वीकृत कराये उपरोक्त कार्य कराने के लिये जिला समन्वयक एसबीएमएडीओ (पंचायत) एवं सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुये 3 दिवस के अन्दर स्पष्टीकरण प्राप्त कर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करें तथा भविष्य में कोई भी कार्य स्टीमेट स्वीकृत कराने के उपरान्त ही कराया जाय। तत्पश्चात विकास खण्ड सभागार में समस्त सचिव, तकनीकी सहायक, एनआरएलएम के अन्तर्गत बैंक सखी, बीसी सखी एवं समूह सखी की महिला कर्मियों की समस्याओं पर चर्चा किया। समूह सखी साधना सिंह निवासीलूसा ने कमीशन कम मिलने, विद्युत सखी संगीता निवासीखम्हवा जमती ने 3–4 माह बिजली बिल जमा किया, जिसका कमीशन बहुत कम मिलने की बात की। इसी प्रकारशिवानी समूह सखी ने बताया कि उनकी ट्रेनिंग अभी नहीं हुई, इस पर एडीओ आईएसबी ने बताया कि यह नया समूह है, जिसमें 18 लोगों की ट्रेनिंग नहीं हुई, जिस पर निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह में ट्रेनिंग करा दिया जाय। सामूहिक शादी योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक आवेदन पत्र मंगवाया जाय। पेंशन के अन्तर्गत शत–प्रतिशत आधार शीडिंग करा दिया जाय ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन से पंचत न रहने पाये। अमृत सरोवर के अन्तर्गत जो तालाब पूर्ण हो गये हैं, उन्हें पुरस्कार, हेतु पोर्टल पर अपलोड कराया जाय तथा और योजनान्तर्गत और तालाबों का चयन कर जल्द से जल्द कार्य प्रारम्भ कराते हुये मानक के अनुरूप पूर्ण कराया जाय।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने फांसी पर लटक कर दी जान, परिजनों में मचा हाहाकार

लालगंज, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के राजापुर पांडेपुर गांव निवासी एक ढाबा के संचालक एनसीएल सेवानिवृत्त कर्मचारी . देररात 65 वर्षीय विदेश कुमार कमरे के अंदर पंखे में फंदा लगाकर फांसी पर झूल गए। जिससे उनकी मौत हो गई। जब पत्नी घर में पहुंची तो देखी कि वह फांसी के फंदे पर झुले हुए हैं। पत्नी ने शोर मचाया तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। सोनभद्र कर्मा करमचट्टी गांव के निवासी विदेश कुमार लंबे समय से लालगंज थाना क्षेत्र के राजापुर पांडेपुर फोरलेन सड़क के बगल मकान बनाकर ढाबा का संचालन कराते थे। वह बीती रात को फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी पत्नी जब घर में गई देखी तो वह पंखे पर फांसी का फंदा लगाकर लटके हुए। पत्नी के शोर मचाने पर स्वजन और पास पड़ोस के लोग जुट गए। सूचना मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक और लहंगपुर चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। स्वजनों ने बताया कि पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए वह चिंतित रहते थे। क्योंकि घर में के दो बेटे और दो बेटियों का विवाह नहीं हुआ था केवल एक बेटी की शादी हुई थी। हालांकि दूसरी बेटी का विवाह तय हो गया था, लड़के वाले देखने आने वाले थे इसके पूर्व ही पिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर दिया है। उनकी पत्नी पार्वती देवी ने बताया कि वह काफी दिनों से टेंशन में रहा करते थे। थानाध्यक्ष राम नारायन राम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की गई है। परिजनों ने बताया कि मानसिक रूप से चिंतित रहा करते थे।

अंडर–19 जनपदीय क्रिकेट कैंपियरगंज को हराकर महानगर विजेता

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। माध्यमिक विद्यालयों की अंडर–19 वर्षीय जनपदीय क्रिकेट

प्रतियोगिता राजकीय जुबली इंटर कॉलेज के संयोजकत्व में जुबिली के खेल मैदान पर संपन्न हुई इसमें मात्र महानगर एवम कैंपियरगंज की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मुकाबला महानगर और कैंपियरगंज के मध्य हुआ पहले बैटिंग करते हुए महानगर ने 15 ओवर में अमन 21, आदित्य 32, रिशु 14, हिमांशु 21, आर्यन 11 रनों के योगदान पर 125 रन बना कर कैंपियरगंज को 126 रन का जीत के लिए लक्ष्य दिया। जवाब में उतरी कैंपियरगंज की टीम 15 ओवर में 65 रन ही बना सकी जिसमें हरि ओम 30 बॉल पर 21 रन का योगदान रहा, महानगर की तरफ से पीयूष, सिद्धार्थ और अंकित ने दो–दो विकेट लिए जबकि अमन एक विकेट लेने में कामयाब रहे। कैंपियरगंज की तरफ से चंचल और अमरनाथ ने तीन–तीन विकेट और विनीत ने एक विकेट लिया। राजकीय जुबली इंटर कॉलेज के उपप्रधानाचार्य किरण कुमार ओरेतो ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया, और अपने संबोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजकीय जुबली इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य डॉ सरोज, एमपी इंटर कॉलेज के पूर्व शारीरिक शिक्षक कृष्णकांत यादव, अभय प्रताप सिंह, मारवाड़ इंटर कॉलेज के पूर्व शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता ओमप्रकाश धर द्विवेदी, नीलम, किशोर कुमार जायसवाल, विवेकानंद मिश्रा, चंद्रेश, शिव शंकर मल्ल आदि मौजूद रहे। उक्त आशय की सूचना राजकीय जुबली इंटर कॉलेज के मंडलीय क्रीड़ा सचिव डॉ अरूणेंद्र राय ने दी है।

सांसद ने किया सीसी रोड़ का शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकुरहा और सिधारी में बांसगांव के माननीय सांसद कमलेश पासवान द्वारा शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद कमलेश पासवान ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़कें विकास का मार्ग प्रशस्त करतीं हैं।इनके अभाव में व्यापार से लेकर आम जन जीवन तक प्रभावित होता है। कीचड़ युक्त सड़कों पर चलना काफी दुष्कर होता है। दुर्घटना का भय सदैव ही बना रहता है।कार्यदाई संस्था यू. पी. सिडको–गोरखपुर(यू पी) द्वारा लगभग दस 10.659 लाख लागत से गोरखनाथ दूबे के घर से बनने वाली 140 मीटर सीसी सड़क का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हियुवा रतनप्रकाश दूबे, नित्यानंद मिश्र, शत्रुघ्न कसौधन, इंद्रबहादुर वर्मा, नीरज दूबे, निखिल राय, सुनील पासवान, सुरेश पाल प्रधान कुकुरहा, मुराली सोखा चेयर मैन प्रतिनिधि, मारकण्डेय चौबे, जगदीश पाण्डेय, पं सत्यप्रकाश दूबे, पं तारकेश्वर पाण्डेय, घनेश्याम मौर्य, सुबाष पाण्डेय, पारसनाथ मिश्रा, गुलाब दूबे आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जनपद में संचालित गो–आश्रय स्थलों का सुचारू रूप से सफल संचालन करायें, लापरवाही कदापि न बरते–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़ ,जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में सायंकाल जनपद स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक में जनपद में संचालित गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के आधार पर दैनिक श्रमिक, केयर टेकर के मानदेय, शीतध्ठंड से बचाव, अति वृहद गो–संरक्षण केन्द्र की स्थापना आदि बिन्दुओं पर मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर0सी0 शर्मा, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अनिल कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, समस्त उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी तथा समस्त जनपदीय नोडल अधिकारी के साथ समीक्षा की गयी।

बैठक में बताया गया कि जनपद में निराश्रितध्बेसहारा गोवंश का लक्ष्य 14128 के सापेक्ष 44 अस्थायी, 06 वृहद गो संरक्षण केन्द्र, 08 कांजी हाउस, 04 कान्हा गौशाला में कुल 9488 गोवंश संरक्षित किये गये है। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि संचालित स्थायीध अस्थायी गोवंश में क्षमता के अनुसार शत प्रतिशत निराश्रितध्बेसहारा गोवंश को संरक्षित करायें। अति वृहद गो–संरक्षण केन्द्र भूमि चिन्हांकन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उपजिलाधिकारीध्खण्ड विकास अधिकारी अपने–अपने तहसील व ब्लाक स्तर पर बैठक आयोजित करके तहसील क्षेत्रान्तर्गत खाली पड़ी बंजर, ऊसर, बीहड़ भूमि का सीमांकन हेतु भूमि की सूचना मुख्य राजस्व अधिकारी को उपलब्ध करायें, साथ ही पशु चिकित्साधिकारी सण्ड़वा चन्द्रिका व सांगीपुर को निर्देशित किया कि उपजिलाधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुये वृहद गो संरक्षण भूमि के चिन्हांकन की कार्यवाही करायें। जनपद में 02 निर्माणाधीन कान्हा गौशाला के सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बेल्हा द्वारा बताया गया कि कान्हा गौशाला चौबेपुर (अन्तू) में पानी की टंकी, चरही, बाउन्ड्री गेट का कार्य पूर्ण हो चुका है, एक गौशाला शेड का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा दूसरे शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा कान्हा गौशाला रत्तूपुर (पट्टी) में चरही दीवार का कार्य पूर्ण, डाक्टर्स रूम, पशु शेड तथा पम्प हाउस लेन्टर लदने की प्रक्रिया में व भूसा शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अतिशीघ्र कान्हा गौशाला का निर्माण कार्य पूर्ण कराते हुये कान्हा गौशाला संचालित कराया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां–जहां गौशालायें बनी हुई है, यदि वहां अतिरिक्त पशु शेड की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त शेड की व्यवस्था तत्काल करायी जाये कोई भी गोवंश खुले में न रहे। खण्ड विकास अधिकारी बाबा बेलखरनाथधाम व बिहार को निर्देशित किया कि अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों में गोवंश शेड का निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण करायें। भूसा गोदाम की व्यवस्था के सम्बन्ध के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के समस्त विकास खण्डों में संचालित गो–आश्रय स्थलों में अवशेष निर्माणाधीन भूसा गोदाम का निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण करायें तथा किसी भी गोवंश आश्रय स्थलों में भूसा गोदाम का निर्माण कार्य पूर्ण न होने की दशा में सम्बन्धित विकास खण्ड स्तरीय समिति का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। शीतध्ठंड से बचाव की व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारियों व पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि गो आश्रय स्थलों में बोरीध्टाट पट्टी की व्यवस्था तत्काल पूर्ण करायें जिससे गोवंश को ठंड से बचाया जा सके तथा किसी भी गोवंश आश्रय स्थलों में शीतध्ठंड से बचाव हेतु बोरीध्टाट पट्टी की व्यवस्था पूर्ण न होने की दशा में सम्बन्धित विकास खण्ड स्तरीय समिति का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि कृषकों को सुपुर्द किये गये गोवंशों के भरण–पोषण हेतु दी जाने वाली धनराशि का भुगतान नियमित डीबीटी के माध्यम से किया जाये एवं ग्राम पंचायतध्ग्राम विकास अधिकारी अपने–अपने ग्राम पंचायत स्तर पर सुपुर्द किये गये गोवंश का विवरण तैयार करेगें जिससे उच्चाधिकारियों के निरीक्षण के समय कोई कठिनाई न हो। भूसा, चूनी, चोकर, हरा चारा की व्यवस्था हेतु जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों व उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि गो आश्रय स्थलों में पूरे वर्ष के भूसा का भण्डार किया जाये व चूनीध्चोकर की पर्याप्त मात्रा में भण्डारण कराया जाये एवं गो आश्रय स्थलों में खाली भूमि पर हरे चारे की बुवाई करायी जाये तथा जिन गो आश्रय स्थलों चारागाह की भूमि उपलब्ध न हो तो सम्बन्धित ग्राम प्रधान से समन्वय स्थापित करके ग्रामसभा के कृषक की भूमि को लीज पर लेकर हरे चारे की बुवाई करायी जाये जिससे संरक्षित गोवंशों को हरे चारे की उपलब्धता हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश की ईयर टैगिंग शत प्रतिशत पूर्ण करा ली जाये किसी भी गोवंश आश्रय स्थल में बिना ईयर टैग के गोवंश पाये जाने पर सम्बन्धित पशु चिकित्साधिकारी को उत्तरदायित्व निर्धारण करते हुये कार्यवाही की जायेगी। मृत गोवंश के निष्पादन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समस्त स्थायीध्अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित मृत गोवंशों का निष्पादन वैज्ञानित पद्धति से तत्काल करायें एवं किसी भी गो आश्रय स्थलों में मृत पशुओं का निस्तारण नियमानुसार न होने पर प्रधानध्सचिव की जिम्मेदारी होगी एवं किसी भी गोवंश की मृत्यु भरण–पोषण के अभाव के कारण न होने पाये विशेष रूप से निरीक्षण के समय सुनिश्चित किया जाये। श्रमिकध चौकीदार के मानदेय भुगतान के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त खण्ड विकास अधिकारियों के द्वारा सभी गो आश्रय स्थलों में आवश्यक व्यवस्थायें नियमित रूप से सुनिश्चित की जाये तथा समस्त गो–आश्रय स्थलां में केयर टेकर की नियमित रूप से उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। उन्होने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। कैटल कैचर की व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि समस्त विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारियों के कैटल कैचर की मांग प्राप्त करते हुये कैटल कैचर की मांग शासन स्तर पर प्रेषित करें।

दिव्य कलाओं में निपुर्ण दिव्यांगजन ''दिव्या कल शक्ति'' के आयोजन में प्रतिभाग करने हेतु 21 नवम्बर तक अभिलेख उपलब्ध करायेः प्रतापगढ़। , जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सच्चिदानन्द तिवारी ने जनपद के दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्यरत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुर्नवास सशक्तीकरण तथा उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये सतत् प्रयासरत है। विभाग दिव्यांगजनों के अन्दर छिपी दिव्य प्रतिभा एवं कलाओं, कौशल को समाज के समक्ष उजागर करते हुये प्रोत्साहित कर रहा हैं। उन्होने बताया है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्था नई दिल्ली द्वारा इन्हीं दिव्यांगजनों के लिये एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ''दिव्य कला शक्ति–2022'' का आयोजन दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को कार्यक्रम स्थल रंगशाला आडिटोरियम आकाशवाणी भवन नई दिल्ली में किया जा रहा है। कार्यक्रम रिहर्सल हेतु 08 व 09 दिसम्बर 2022 की तिथि निर्धारित है। उन्होने कहा कि दिव्य कलाओं जैसे गायन, वादन, नित्य, सामूहिक गतिविधि आदि में निपुर्ण प्रतिभावान दिव्य बच्चे, युवक, युवतियॉ आवश्यक अभिलेख जैसे दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दिव्यांगता दर्शाती हुई एक फोटो के साथ कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतापगढ़ में दिनांक 21 नवम्बर तक प्राप्त करा दें।

चेयरमैन फरीदा बेगम ने नवनिर्मित पार्क का किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन स्थानीय नगर पंचायत के अंतर्गत ड्राइवर कालोनी में बने नवनिर्मित पार्क का लोकार्पण शनिवार को चेयरमैन फरीदा बेगम द्वारा गणमान्य लोगों की उपस्थिति में की गई। चेयरमैन ने विधिवत पूजा अर्चना व रिबन काट कर नगरवासियों को पार्क समर्पित किया। पार्क के लोकार्पण के पश्चात पार्क मे बॉलीबाल टूर्नामेंट का भी आयोजन किया गया। पार्क का निर्माण हो जाने से मोहल्ले के शारीरिक कसरत करने वाले युवाओं, बच्चों व महिलाओं में खासा उत्साह है। नगरवासी क्रांति सिंह, एस के मेहता, एस एन प्रसाद डी के यादव आदि ने नगर पंचायत अध्यक्ष के इस प्रकार के सार्वजिनक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सुबह शाम

बजाय अब यह पार्क लोगों के लिए शारीरिक कसरत करने के साथ ही बच्चों के लिए खेलने व मनोरंजन का एक अच्छा स्थान साबित होगा। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत नाली निर्माण, रास्तों का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, आधुनिक शौचालय, आदि सभी मुलभूत सुविधाओं के निर्माण को लेकर सक्रिय कार्य करती रही है तथा सार्वजनिक कार्यों के लिए सदैव दृढ़ संकल्पित है। पार्क में की गई रंग विरंगी चित्रकारी आकर्षक का केंद्र रहा। इस बाबत चेयरमैन फरीदा बेगम ने कहा कि लोगों की मांग पर इस सुंदर पार्क का निर्माण कराया गया है पार्क मोहल्ले वासियों को समर्पित है पार्क में की गई चित्रकारी व स्लोगन कही न कही लोगों को सिख ही देगा और खूबसूरत चित्रकारी पार्क की खूबसूरती बढ़ाएगा। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि उस्मान अली ने बताया कि पार्क में विभिन्न प्रकार के स्लोगन व बेहतरीन चित्रकारी लोगों का मन मोह लेगी। इस पार्क में लोगों को सुबह शाम परिवार के साथ आनंद और हर्ष की अनुभूति तो होगी ही साथ ही बुजुर्गों और युवाओं को टहलने के साथ स्वास्थ्य लाभ के लिए एक अच्छा अवसर भी उपलब्ध हो सकेगा। आने वाले समय मे पार्क में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झुला व खेलने की सामग्री भी लगाया जाएगा। इस मौके पर ईसीआरकेयू के अध्यक्ष उमेश सिंह, एस के मेहता, सभासद कुशल सिंह, राजन जायसवाल, दिनेश जैन, अमित सिंह, ज्ञानेन्द्र पाठक, दिनेश पाण्डेय, अनीश अहमद, संतोष कुमार, एस जे मौर्या, एस के सिंह, मीना देवी, सुशीला देवी, सुशीला दुबे, अंकित अग्रवाल, सर्वजीत यादव, अंकित पाण्डेय, जीतू सिंह, नीरज जायसवाल, राकेश सिंह, संतोष वर्मा, बबलू डिस, जसवंत सिंह, रंजीत पासवान, रोबिन सिंह, मनीष इत्यादि लोग मौजूद रहे।

सिंगरौली एवं शक्तिनगर रेलवे स्टेशनों पर लॉजिस्टिक पार्क बनाए जाने की रखी मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिरौली/सोनभद्र। धनबाद मंडल के सांसदों के सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने की। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा एवँ डीआरएम धनबाद आशीष बंसल एवँ रेलवे कि विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। बैठक में गौतम ने सिंगरौली रेलवे स्टेशन पर एक लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण किए जाए जाने, जिससे कि किसानों की उपज का भंडारण आसानी से हो सके और उसे रेल मार्ग द्वारा देश के कोने कोने तक पहुंचाया जा सके। उर्जान्चल से जुड़े रेलखंडों पर चल रहे रेल दोहरीकरण कार्य तेजी से पूर्ण कराने, विण्डमगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव, रेणुकूट में स्वचालित सीढ़ी तथा एक नंबर प्लेटफार्म

की डीआरएम कार्यालय सभागार में 18 नवंबर को मंडल संसदीय समिति की बैठक रखी गई थी। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी एवं सोनभद्र के सांसद पकौड़ी लाल कोल के प्रतिनिधि के रूप में श्रीकृष्ण गौतम सदस्य, राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री काउंसिल, रेल मंत्रालय भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता धनबाद ने भाग लिया।

पर विकलांगों के लिए रैंप बनाने, चोपन स्टेशन पर चल रहे पिट लाइनध्वाशिंग लाइन द्वितीय चरण की स्वीकृति प्रदान करने, राँची–चोपन एक्सप्रेस ट्रेन का रूट विस्तार सिंगरौलीध्शक्तिनगर तक किये जाने आदि मांगें रखी। बैठक में राज्यसभा सांसद द्वय अजय प्रताप सिंह एवं रामशकल तथा लगभग एक दर्जन सांसद एवं उनके प्रतिनिधियों

पुर्वांचल राज्य जन मोर्चा ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलग पूर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन

पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा द्वारा तहसील रावटसगंज के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि हर साल 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है। इस साल इस खास दिन की थीम है, पुरुषों और लड़कों की मदद करना। यह दिन हमारी जिंदगी में मौजूद पुरुषों को सम्मान देता है, और साथ ही उनके सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक आर्थिक उपलब्धियों और हमारे समाज में योगदान को। यह उन सकारात्मक मूल्यों का भी जश्न मनाता है, जो पुरुष इस दुनिया, हमारे परिवार और समुदायों में लाते हैं। मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक कहा कि भले ही आपको ऐसा लगे कि भारत पुरुष प्रधान देश है और यहां महिलाओं को ध्यान में रखते हुए महिला दिवस जैसे उत्सव मनाने जरूरी हैं. लेकिन यकीन मानिए, पुरुष भी कम बेचारे नहीं हैं. पुरुषों की भी अपनी ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे उन्हें जूझना पड़ता है। यकीन न हो तो कुछ आंकड़े आपका ध्यान इस ओर खींचने में मदद कर सकते हैं. 76 फीसदी आत्महत्याएं पुरुष करते हैं, 85 फीसदी बेघर लोग पुरुष हैं, 70 फीसदी हत्याएं पुरुषों की हुई हैं, घरेलू हिंसा के शिकारों में भी 40 फीसदी पुरुष हैं. तो अगर महिला और पुरुष को समानता के पैमाने पर रखना है तो महिला दिवस के साथ–साथ पुरुष दिवस भी मनाना जरूरी है। प्रदेश सचिव सन्तोष चर्तुवेदी ने सरकार से मांग किया कि अब महिला आयोग की तरह पुरुष आयोग भी बनाना चाहिए जो महिलाएं झूठे केस करती हैं उनको भी सजा का प्रावधान होना चाहिए नहीं तो एक के बाद एक निर्दोष पुरुष बलि चढ़ते ही रहेंगे। इस अवसर पर रसीद भाई एडवोकेट काकू सिंह, संदीप जयसवाल, अतुल कुमार कनौजिया एड, नवीन पांडेय एड, शाहनवाज खान एडवोकेट, दीपनारायण पटेल, प्रदीप चौहान आदि उपस्थित रहे।

20 से 30 नवंबर के बीच AAp करेगी कार्यकर्ता सम्मेलन–जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह

नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत के भ्रष्टाचार को करेंगे उजागर- जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। निकाय चुनाव उत्तर प्रदेश के मद्देनजर गंदगी हटाओ झाड़ू चलाओ अभियान को जनता के अपार जन समर्थन के बाद यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्दशानुसार आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी नगर निगमध्नगर पंचायतध्नगर पालिका के क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी जिसके माध्यम से पार्टी पदाधिकारी निकाय में व्याप्त भ्रष्टाचार को जनता को बताएंगे और निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी को एक बार मौका देने की अपील करेंगे। ध र्मवीर सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी नगर पालिका, नगर पंचायतों और नगर निगम की विधानसभाओं में 20 नवंबर से 30 नवंबर तक 800 कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगी जिसके लिए प्रदेश के 77 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है उन्होंने बताया आम आदमी पार्टी निकाय की सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी और कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान

नए लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाएगी, आवेदन फार्मो का वितरण किया जाएगा और संभावित प्रत्याशियों का क्षेत्रीय सर्वे कराकर नामों पर चर्चा की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से आप द्वारा चलाए गए हर अभियान में जिस तरह जनता ने पूर्ण रूप से आप का समर्थन किया है उससे राज्य सरकार की नींद उड़ चुकी है। जिला निकाय चुनाव प्रभारी द्वारा जिले बाराबंकी के सभी नगर पंचायतों में कार्यकर्ता सम्मेलन 'जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि 11 दिन में 800 कार्यकर्ता सम्मेलन कर नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में चरम सीमा पर व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता को संबोधित किया जाएगा और इसके साथ ही साथ दिल्ली के केजरीवाल मॉडल को घर–घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि गंदगी हटाओ झाड़ू चलाओ पदयात्रा के दौरान पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने निगमों के भ्रष्टाचार को जनता तक पहुंचाने का काम किया और प्रदेश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था, जर्जर शिक्षा भवन, महिला असुरक्षा, प्रशासनिक लापरवाही, रिश्वतखोरी, नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही से अवगत कराया है.। जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने बताया कि सभी प्रांतों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य साथी इस अभियान में जिलों में जाकर कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

रेलवे के नाम पर रात्रि में धड़ल्ले से आबादी से होकर चल रहे डंफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली/बाराबंकी। थाना सफदरगंज क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामसभा रहरा मऊ में पिछले 6 दिनों से रेलवे के नाम पर खनन ठेकेदार

द्वारा बेखौफ होकर रात और दिन में धड़ल्ले से खनन किया जा रहा है। लगातार आबादी के बीच से होकर मिट्टी भरे डंफर गुजर रहे है।मिट्टी भरे डंफरो पर किसी भी प्रकार की पन्नी या तिरपाल का प्रयोग नहीं किया जा रहा है।सड़क पर टैंकर द्वारा पानी डलवाने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क पर धूल उड़ाते हुए डंफर धड़ल्ले से दौड़ रहे है।रात्रि में हो रहे मिट्टी खनन को लेकर बाराबंकी खनन अधिकारी से जानकारी करने पर बताया गया की हमारे द्वारा दिन में मिट्टी खनन का परमिशन जारी किया गया है। हो सकता है खनन करवाने वाले ने एस पी साहब से रात में खनन करने की परमिशन ली हो।

पुलिस द्वारा प्रतिदिन चलाया जा रहा महिला जागरूकता व शक्तिकरण अभियान

समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों व एन्टीरोमियो टीम द्वारा मंदिर, बाजारों, स्कूलों/कॉलेजो व प्रमुख मार्गों आदि पर की जा रही चेकिंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओंध्महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में महिलाओंध्बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिरध्भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओंध्महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन–शक्ति अभियान के अन्तर्गत थाना ओबरा की एण्टी रोमियो टीम

द्वारा शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज ओबरा एवं थाना दुद्धी की एण्टी रोमियो टीम द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया तथा उपस्थित बालिकाओंध्छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे–वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस–पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930ध112 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके। इसी क्रम में जनपद के समस्त एण्टी रोमियो टीम द्वारा नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन–शक्ति अभियान के अन्तर्गत स्कूलोंध कॉलेजों, मंदिरध्भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओंध महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

विश्व शौचालय दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। विश्व शौचालय दिवस पर जन जागरूकता

अभियान के तहत घोरावल नगर पंचायत के तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली निकालकर मेन तिराहा, पुरानी बाजार, मुक्खा मोड़, राबर्ट्सगंज मार्ग इत्यादि स्थानों पर भ्रमण कर लोगों को शौचालय का प्रयोग करने एवं महिलाओं के सम्मान हेतु आगे आने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी घनश्याम राय परियोजना अधिकारी डूडा राजेश उपाध्याय, सोनांचल इंटर कॉलेज के अध्यापक टीडी सिंह, डीएन त्रिपाठी, संजय सिंह विद्यालय के छात्रों के साथ एवं नगर पंचायत कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

तहसील दिवस के अवसर पर सुनी गयी जनता की समस्याएं

शिकायतों के निष्पक्ष व न्यायोचित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा–निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। तहसील दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी, चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से तहसील घोरावल पर जन शिकायतों

को सुना गया तथा शिकायतों के तत्काल निष्पक्ष व न्यायोचित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित करते हुए राजस्व सम्बन्धित शिकायतों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करने के निर्देश दिए गये। इसी क्रम में जनपद के अन्य तहसील पर संम्बन्धित अधिकारियों द्वारा जन समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया गया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

पार्सले को डाइट में करें शामिल, मिलेंगे ये 5 प्रमुख फायदे

पार्सले एक तरह का हर्ब है, जो पत्तेदार धनिये की तरह दिखता है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल विदेशी व्यंजनों में किया जाता है। यह हर्ब फाइबर, विटामिन– ए, विटामिन– सी, विटामिन– के, फोलिक एसिड, पोटेशियम, फ्लेवोनोइड्स, एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण और कैरोटेनॉयड्स नामक एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यही कारण है कि इस हर्ब को डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आइए आज हम आपको पार्सले का सेवन करने से मिलने वाले पांच प्रमुख फायदों के बारे में बताते हैं।

ब्लड शुगर को कर सकता है नियंत्रित

अगर आपका ब्लड शुगर अक्सर हाई रहता है तो पार्सले का सेवन इसे नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। पार्सले में मिरिस्टिसिन नामक एक एंटी–ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है, जो ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह इंसुलिन और सूजन को भी कम कर सकता है। इस आधार पर मधुमेह रोगियों के लिए अपनी डाइट में पार्सले को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

कैंसर से सुरक्षित रखने में है सहायक

कई अध्ययनों के मुताबिक, पार्सले में मौजूद एंटी–कैंसर प्रभाव कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें ल्यूटिन नामक पोषक तत्व पाया जाता है जो एक कारगर एंटी–ऑक्सीडेंट है। यह एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर स्तन कैंसर समेत कई तरह के कैंसर को पनपने से रोकने में मदद कर सकता है। इसके लिए अपनी डाइट में पार्सले को शामिल करें।

हृदय के लिए है लाभदायक

पार्सले में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर समेत हाई कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हृदय रोग से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, पार्सले में फोलेट, विटामिन– ए और विटामिन– के होमोसिस्टीन के निर्माण को रोकता है। होमोसिस्टीन एक यौगिक है, जो धमनियों की परत को नुकसान पहुंचा सकता है और कई हृदय संबंधित समस्याओं की वजह बन सकता है।

पाचन के लिए है बढिया: पार्सले का सेवन पाचन क्रिया के लिए भी लाभदायक हो सकता है। यह हर्ब पाचन और गैस्ट्रोएन्टराइटिस से जुड़े विकारों के इलाज में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें उच्च फाइबर मौजूद होता है। इसके अतिरिक्त यह पेट की ऐंठन, दर्द, दस्त, सूजन और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है। यह स्वास्थ्यवर्धक हर्ब आंतों की मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद कर सकती है, जिससे उचित पाचन को बढ़ावा मिलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकती है बढ़ावा

पार्सले में मौजूद जरूरी विटामिन्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में काफी मदद कर सकते हैं। इसमें सेलेनियम और विटामिन– सी की उच्च मात्रा पाई जाती है, जो टी–कोशिकाओं के उत्पादन को उत्तेजित करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह विटामिन ऊर्जा मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा दे सकता है। इसके अलावा यह हर्ब वजन घटाने में भी सहायक साबित हो सकती है।

जान्हवी कपूर ने दिखाया अबतक का सबसे सेक्सी अवतार, बोल्ड गाउन में दिखाया परफेक्ट फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं. एक्ट्रेस इन दिनों

अपनी फिल्म मिली में की गई दमदार अदाकारी के लिए फैंस की तारीफें बटोर रही हैं। अभिनेत्री अदाकारी के साथ–साथ अपने लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। बीते दिन जान्हवी ने ब्लू ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में तस्वीरें डाल इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। हाल ही में जान्हवी कपूर ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं उनमें वो किसी जल परी से कम नहीं लग रही हैं। स्ट्रेपलेस गाउन में शेयर की गईं इन तस्वीरों को देखकर आप उनके दीवाने हो जाएंगे। तस्वीरों मो जान्हवी कपूर का लुक और अदाएं अलग ही लेवल की हैं। डीपनेक ड्रेस में अदाएं दिखाती जान्हवी कपूर का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। जान्हवी कपूर हाल ही में एल ब्यूटी अवॉर्ड्स में इस ड्रेस को पहन कर पहुंचीं थीं। फॉर्म फिटिंग वाली इस ब्राइट लाइट ब्लू ड्रेस की तरफ सभी के सिर जान्हवी को देखते ही मुड़ गए। शिमरी सीक्वेंस ऑफ शोल्डर लॉन्ग गाउन में जान्हवी कपूर बेहद बोल्ड और खूबसूरत नजर आईं। इस बॉडीकॉन गाउन में जान्हवी का एकदम परफेक्ट फिगर नजर आ रहा था।

यशराज फिल्म्स की पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन अगले साल के लिए टली

पिछले काफी समय से भोपाल गैस त्रासदी पर बन रही यशराज बैनर की पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन सुर्खियों में है। यह सीरीज काफी बड़े स्तर पर बन रही है। यह यशराज की पहली सीरीज है, इसलिए दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अभी उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि इसकी रिलीज आगे बढ़ा दी गई है। दरअसल, सीरीज में वीएफएक्स का अभी अच्छा–खासा काम बचा है। एक सूत्र ने बताया, निर्माता इस सीरीज को वीएफएक्स के लिहाज से बढिया से बढिया बनाने की कोशिश कर रहे है। वे दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभी और समय लगेगा, इसलिए द रेलवे मेन की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह इस साल 2 दिसंबर को आने वाली थी। अब निर्माता अगले साल की शुरुआत में इसका प्रीमियर करने की सोच रहे हैं। वेब सीरीज द रेलवे मेन में पैन इंडिया स्टार आर माधवन लीड रोल में हैं। उनके साथ इस सीरीज में स्पेशल ऑप्स से फिर से लाइमलाइट में आए के के मेनन, मिर्जापुर सीरीज के चर्चित अभिनेता दिव्येंदु शर्मा और इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी नजर आएंगे। जाहिर तौर पर यह बाबिल के लिए एक बड़ा मौका है। इस सीरीज का ऐलान पिछले साल भोपाल त्रासदी वाले दिन ही किया गया था। निर्देशक राहुल रवैल के बेटे शिव रवैल इस सीरीज से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत कर रहे हैं। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देती द रेलवे मैन भोपाल स्टेशन पर काम करने वाले रेलवे कर्मचारियों की कहानी है। आदित्य चोपड़ा के मुताबिक, सीरीज भोपाल के उन वीरों को सलामी देने की एक कोशिश है, जिन्होंने 38 साल पहले इस शहर पर मुसीबत आने पर हजारों लोगों की जान बचाई। इस दर्दनाक हादसे को लेकर 2014 में फिल्म भोपाल ए प्रेयर ऑफ रेन भी बनी थी। निर्देशक रवि कुमार ने इसके जरिए दर्शकों को इस खौफनाक कहानी से रूबरू कराया। इसमें मार्टिन शीन, मिशा बार्टन, कल पेन और राजपाल यादव ने अहम भूमिका निभाई थी। मध्य प्रदेश के भोपाल में 2–3 दिसंबर, 1984 यानी 38 साल पहले दर्दनाक हादसा हुआ था। इतिहास में जिसे भोपाल गैस कांड, भोपाल गैस त्रासदी का नाम दिया गया है। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी के कारखाने से एक जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिससे लगभग 15,000 से अधिक लोगो की जान गई और कई लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए, जो आज भी त्रासदी की मार झेल रहे हैं।

रणदीप हुड्डा की क्राइम ड्रामा कैट 9 दिसंबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा की आगामी क्राइम ड्रामा सीरीज कैट शीर्षक से 9 दिसंबर को विशाल नेटफिक्स स्ट्रीमिंग पर प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज, जो निर्माता और श्रोता

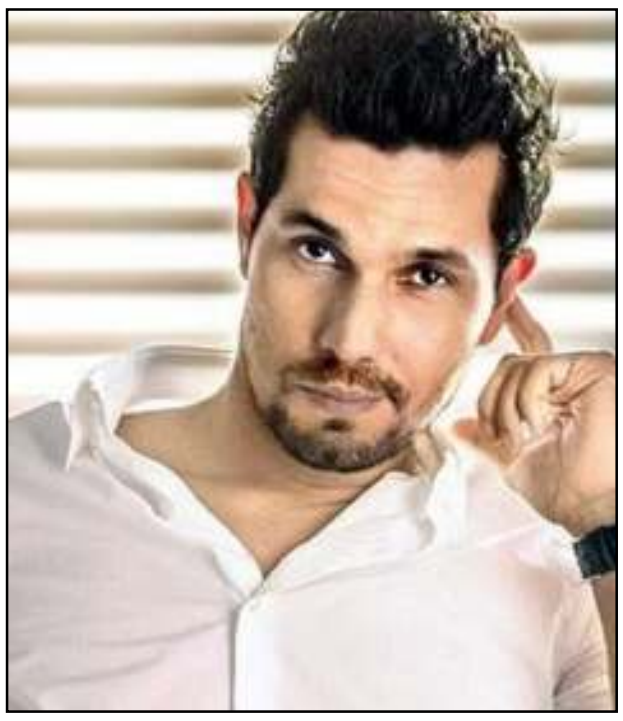

बलविंदर सिंह जंजुआ से आती है, एक्सट्रैक्शन के बाद रणदीप के नेटफिक्स के साथ दूसरे सहयोग को चिह्नित करती है, जो 2020 में रिलीज हुई थी। रणदीप और नेटफ्लिक्स ने घोषणा करने के लिए अपने–अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। कैट गुरनाम सिंह की कहानी है, जो अपने भाई की जान बचाने की कोशिश में अपने काले अतीत का सामना करने के लिए मजबूर होता है। एक बार कैट दृ एक युवा लड़के के रूप में पुलिस के लिए मुखबिर होने के बाद, गुरनाम खुद को एक पुलिस मुखबिर के रूप में, भ्रष्टाचार और अपराध के अस्थिर अंडरबेली में, धोखे के जाल को खोलते हुए पाता है। बलविंदर सिंह जंजुआ द्वारा निर्मित और जेली बीन एंटरटेनमेंट के सहयोग से मूवी टनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, कैट 9 दिसंबर, 2022 को रिलीज होगी। रणदीप हुड्डा के साथ, श्रृंखला में सुविंदर विक्की, हसलीन कौर, गीता अग्रवाल, दक्ष अजीत सिंह, सुखविंदर चहल, के.पी. सिंह, काव्या थापर, दानिश सूद और प्रमोद पत्थल सहित अन्य।

सर्दियों के दौरान अपनाएं ये स्किन केयर टिप्स, नहीं होगी कोई परेशानी

सर्दियों के दौरान शरीर के तेल और पसीने की ग्रंथियां और रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिसके कारण त्वचा को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। हालांकि, अगर ठंड के मौसम में त्वचा की देखभाल सही तरीके से की जाए तो यह रूखेपन जैसी कई समस्याओं से सुरक्षित रह सकती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसी स्किन केयर टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और निखरी हुई बनाए रख सकते हैं।

गरम की जगह गुनगुने पानी का करें इस्तेमाल

कई लोग सर्दियों के दौरान ज्यादा गरम पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह त्वचा से नमी बनाए रखने वाले सुरक्षात्मक तेल को छीन लेता है। इसकी बजाय नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। यह आपकी त्वचा से गंदगी को हटाने के साथ–साथ त्वचा के प्राकृतिक तेलों को संतुलित रखने में मदद कर सकता है। गुनगुने पानी से नहाने के बाद अपने पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

मॉइस्चराइजिंग क्लींजर का करें चयन

ठंडी हवा की वजह से त्वचा पर रूखापन आ जाता है। इस कारण सर्दियों में ऐसे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना सही है, जो त्वचा को मॉइस्चराइज करें। इसलिए इस मौसम में मॉइस्चराइजिंग क्लींजर और फेसवॉश का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहेगी। अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आपके लिए क्रीम फेस क्लींजर का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

त्वचा को हाइड्रेट रखने की करें कोशिश

सर्दियों के दौरान त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करने के लिए अपने स्किन केयर रूटीन में हायलूरोनिक एसिड और रेटिनॉल से युक्त प्रोडक्ट्स को शामिल करना लाभदायक हो सकता है। ऐसे प्रोडक्ट्स त्वचा की मरम्मत करने, त्वचा को हाइड्रेट, सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने और मॉइश्चराइज रखने में काफी मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त रोजाना ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और होममेड फलों के जूस का सेवन करें।

डाइट पर दें ध्यान

सर्दियों में अपनी डाइट में मौसमी फल और सब्जियां जरूर शामिल करें। स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, अंगूर, रसभरी या चेरी जैसे फलों का सेवन त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ–साथ निखारने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त घर में बने व्यंजनों का सेवन करें और हाई शुगर, अधिक तले हुए खाद्य पदार्थ, मसालेदार चीजें और प्रोसेसड फूड खाने से बचें, क्योंकि ये खान–पान की चीजें त्वचा पर कई समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं।

एक्सरसाइज है जरूरी: कई लोग सर्दियों के दौरान कंबल से बाहर निकलना ही पसंद करते हैं और एक्सरसाइज करना ही छोड़ देते हैं, लेकिन इससे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ त्वचा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सर्दियों में एक्सरसाइज करने से हृदय को बेहतर तरीके से पंप करने, गर्माहट महसूस कराने, ब्लड सर्कुलेशन ठीक रखने और त्वचा को निखारने जैसे कई फायदे मिल सकते हैं।